दमण से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

Asli Azadi Dainik @AsliAzadiDainik

asliazadidainikofficial

असली आज़ादी

The Voice of Union Territory Dadra and Nagar Haveli and Daman-Diu Since 2005

www.asliazadi.com

■ वर्ष: 21, अंक: 86 ■ दमण, गुरुवार 18 दिसंबर 2025 ■ पृष्ठ: 8 ■ मूल्य: 2 रु ■ RNI NO-DDHIN/2005/16215 ■ संपादक- विजय जगदीशचंद्र भट्ट

लक्षद्वीप में आरएसएस के पदाधिकारियों ने प्रशासक प्रफुल पटेल से की शुभेच्छा मुलाकात

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, लक्षद्वीप 17 दिसंबर। केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप एवं केन्द्रशासित प्रदेश दादरा नगर हवेली एवं दमण-दीव के प्रशासक प्रफुल पटेल से आरएसएस के पदाधिकारियों ने शुभेच्छा भेट की है। केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप में आरएसएस शताब्दी महोत्सव के उपलक्ष्य में आउटरीच प्रोग्राम में भाग लेने के लिए आरएसएस के सेवा प्रमुख राजकुमार मत्तालेजी, दक्षिण क्षेत्र के प्रचारक हरिकृष्णकुमार एवं एडवोकेट वी.आर. रमेश ने प्रशासक प्रफु ल पटेल को बूक भेटकर उनका अभिवादन किया। इस दौरान प्रशासक प्रफुल पटेल के साथ आरएसएस के पदाधिकारियों ने विभिन्न मुद्दों पर बातचीत भी की। ज्ञात हो कि प्रशासक प्रफुल पटेल का आरएसएस के साथ दशकों पुराना नाता है।

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने शांति विधेयक पर संसद में रखे विचार: ऊर्जा सुरक्षा के साथ सुरक्षा पर दिया जोर

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, नई दिल्ली 17 दिसंबर। दमण एवं दीव के निर्दलीय सांसद उमेश पटेल ने आज लोकसभा में द सस्टेनेबल हार्नेसिंग एंड एडवांसमेंट ऑफ न्यूक्लियर एनर्जी फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंडिया (शांति) विधेयक पर चर्चा के दौरान अपने विचार रखे। यह विधेयक भारत के परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में सरकारी एकाधिकार को समाप्त कर निजी कंपनियों की भागीदारी की अनुमति देता है। सांसद ने डॉ. होमी जहांगीर भाभा के उद्धरण का हवाला देते हुए कहा कि परमाणु ऊर्जा विकसित देशों के औद्योगिकीकरण के लिए अनिवार्य है और यह विधेयक उस दृष्टि को साकार करने की दिशा में एक कदम है, लेकिन सावधानी के साथ। सांसद उमेश पटेल ने विधेयक के लाभों पर प्रकाश डाला, जिसमें ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करना शामिल है। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत में 24 परमाणु रिएक्टर कार्यरत हैं, जिनकी कुल क्षमता 8180 मेगावाट है, जो देश की कुल बिजली का मात्र 2% से कम है। निजी क्षेत्र की भागीदारी से 26 बिलियन डॉलर का निवेश आ सकता है, जिससे 2040 तक 11,000 मेगावाट की नई क्षमता जुड़ सकती है और 2047 तक 100 गीगावाट का लक्ष्य हासिल करने में मदद मिलेगी। इससे पूंजी प्रवाह, विदेशी तकनीक हस्तांतरण, नवाचार बढ़ेगा, नवीकरणीय ऊर्जा की सीमाओं की पूर्ति होगी, कोयला आयात (80% ऊर्जा आवश्यकताओं पर निर्भर) कम होगा और आर्थिक विकास को गति मिलेगी। उन्होंने अमेरिका एवं फ्रांस के उदाहरण दिए, जहां निजी भागीदारी से नवाचार हुआ है। हालांकि, सांसद ने सुरक्षा और पर्यावरणीय जोखिमों पर चिंता जताई। उन्होंने चेरनोबिल (1986) और फुकुशिमा (2011) हादसों का जिक्र किया, जहां रेडियोधर्मी रिसाव से लाखों प्रभावित हुए। भारत में रेडियोधर्मी सामग्री की चोरी के मामलों, परमाणु कचरा प्रबंधन, मुआवजे की पारदर्शिता और एटॉमिक एनर्जी रेगुलेटरी बोर्ड (AERB) की सीमित क्षमता पर ध्यान दिलाया। निजी क्षेत्र में लाभ प्राथमिकता से सुरक्षा में कमी, साइबर हमले और आतंकवाद जैसे नए जोखिम बढ़ सकते हैं। विदेशी नियंत्रण पर 49% सीमा को सकारात्मक बताया, लेकिन भारतीय कंपनियों की तैयारी पर सवाल उठाया।

(समाचार का शेष पेज 8 पर)

सिलवासा में आयोजित इंडियन रिजर्व बटालियन के राइजिंग डे परेड में शामिल हुए पुलिस उपमहानिदेशक संतोष मीणा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 दिसंबर। दादरा नगर हवेली के रांधा स्थित इंडियन रिजर्व बटालियन के ग्राउंड पर इंडियन रिजर्व बटालियन द्वारा 26वां राइजिंग डे सेलिब्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में संघ प्रदेश दादरा नगर हवेली और दमण-दीव के पुलिस उपमहानिदेशक संतोष मीणा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। इस दौरान राइजिंग परेड का भी आयोजन किया गया। जिसका निरीक्षण मुख्य अतिथि के तौर पर उपस्थित पुलिस उपमहानिदेशक संतोष मीणा द्वारा किया गया। वहीं परेड निरीक्षण के बाद पुलिस उपमहानिदेशक के लिए सलामी परेड भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर अतिथि विशेष के रूप में दादरा नगर हवेली के पुलिस अधीक्षक सचिन यादव भी प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

दमण जिला पंचायत की उपप्रमुख रीना पटेल ने सेवा कार्यों के साथ मनाया जन्मदिवस: गौ सेवा के साथ बच्चों को कराया तिथि भोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 दिसंबर। दमण जिला पंचायत की उपप्रमुख रीना पटेल ने सेवा कार्यों के साथ अपना जन्मदिवस मनाया। इस अवसर पर रीना पटेल ने गौ सेवा के साथ ही बच्चों को तिथि भोजन भी कराया। दमण जिला पंचायत की उपप्रमुख रीना पटेल ने कचीगाम गौशाला में जाकर गायों को गुड, चना, केला और हरा चारा खिलाया। इसके साथ ही उन्होंने अपने घर पर बच्चों को तिथि भोजन कराया। इस अवसर पर रीना पटेल ने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा।

दमण जिला पंचायत प्रमुख धरम पटेल और उपप्रमुख रीना पटेल की उपस्थिति में

घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल की अध्यक्षता में आयोजित हुई ग्रामसभा

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 दिसंबर। दमण जिला पंचायत अध्यक्ष धरम पटेल और जिला पंचायत उपाध्यक्षा रीना पटेल की उपस्थिति में घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल की अध्यक्षता में नेताजी सुभाषचंद्र बोस ग्राउंड पर ग्राम पंचायत डेवलपमेंट प्लान सबकी योजना सबका विकास 2026-27 के एक्शन प्लान को मंजूरी देने के लिए घेलवाड ग्राम पंचायत द्वारा ग्रामसभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा के दौरान 2026-27 के एक्शन प्लान के तहत विकासलक्षी कामों की रुपरेखा तैयार की गई। इस ग्रामसभा के बारे में जानकारी देते हुए घेलवाड ग्राम पंचायत सरपंच हिताक्षी पटेल ने कहा कि जीपीडीपी-2026-27 के एक्शन प्लान को लेकर आज ग्रामसभा आयोजित की गई थी। उन्होंने बताया कि पानी की व्यवस्था, ग्राउंड में सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ ही महिला हितैषी कार्यों को प्रमुखता दी जायेगी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की विभिन्न योजनाओं को घर-घर तक पहुंचाने का पूरा प्रयास किया जायेगा। आज की ग्रामसभा में दमण प्रशासन के विभिन्न विभागों से आये हुए अधिकारियों ने भी अपने-अपने विभागों की योजनाओं के बारे में ग्रामीणों को विस्तार से जानकारी दी। इस ग्रामसभा में जिला पंचायत सदस्य अशोक पटेल, ग्राम पंचायत सदस्यों एवं बडी संख्या में ग्रामीणों की उपस्थिति रही।

तिरुपति में मुंडन सेवा के लिए कारोबारी ने 1 करोड़ 20 लाख के हाफ ब्लेड दान किए

हैदराबाद (एजेंसी)। दुनिया के सबसे अमीर हिंदू मंदिर श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के संरक्षक तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम (टीटीडी) को एक खास दान प्राप्त हुआ। हैदराबाद के एक बिजनेसमैन बी श्रीधर ने मंदिर की मुंडन रस्मों के लिए 1 करोड़ 20 लाख रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। बिजनेसमैन श्रीधर ने कल्याणकट्टों (मुंडन केंद्रों) की सालाना जरूरत को पूरा करने के लिए काफी संख्या में हाफ ब्लेड दान कर दिए है। जिनकी कीमत 1.2 करोड़ रुपए के करीब है। मीडया रिपोर्ट में बताया, बिजनेसमैन बी श्रीधर ने तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम को 1.2 करोड़ रुपए के हाफ ब्लेड दान किए हैं। टीटीडी के चेयरमैन बीआर नायडू ने कहा कि मंदिर संस्था हर साल भक्तों के बाल मुंडवाने के लिए इस्तेमाल होने वाले ब्लेड पर करीब 1.1 करोड़ रुपए खर्च करती है, जो भगवान को अपने बाल चढ़ाते हैं। उन्होंने कहा कि कल्याणकट्टों में रोजाना करीब 40 हजार हाफ ब्लेड इस्तेमाल होते हैं और श्रीधर के दान से मंदिर की पूरे साल की जरूरत पूरी होगी। बता दें कि तिरुमाला तिरुपति देवस्थानम श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर का आधिकारिक संरक्षक है, जो विश्व का सबसे धनी हिंदू मंदिर है। इस मंदिर में प्रतिदिन हजारों भक्त अपनी मनोकामना पूरी होने पर बाल दान करते हैं, जिसे मुंडन सेवा कहा जाता है।

भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रुप में काम कर रही : सीएम शर्मा

बीकानेर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि भाजपा सरकार गरीब को गणेश मानकर सेवक के रूप में काम कर रही है। सीएम शर्मा बीकानेर के लूणकरणसर में विकास कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, हमारा नैतिक दायित्व है कि हम सरकार का रिपोर्ट कार्ड जनता के सामने रखें।

हमारी सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में बजट दिया और हर विधानसभा क्षेत्र में विकास रथ के माध्यम से विकास कार्यों का लेखा-जोखा जनता तक पहुंचा रही है।' उन्होंने कहा, 'हमारी सरकार ने दो साल में राज्य में सुशासन, जनकल्याण और बहुमुखी विकास के लिए इ इसतरह के अभूतपूर्व कदम उठाए हैं, जो ऐतिहासिक होने के साथ ही समृद्ध एवं विकसित राजस्थान की एक सशक्त बुनियाद भी हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार ने किसान, युवा, महिला और गरीब के उत्थान के लिए कईकदम उठाए हैं। इस मौके पर मुख्यमंत्री शर्मा ने 612 करोड़ से अधिक के विकास कार्यों का शिलान्यास एवं 107 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों का लोकार्पण किया। उन्होंने बीकानेर की जिला विकास पुस्तिका, ग्रामीण सेवा शिविर की सफलता की कहानी तथा 'शहरी सेवा शिविर-2025 पुस्तिका का विमोचन भी किया।

श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर फिर उठे सवाल, सोशल मीडिया पर वायरल अंदर की तस्वीरें

भुवनेश्वर (एजेंसी)। ओडिशा के पुरी जिले स्थित श्रीजगन्नाथ मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था फिर सवाल उठ गए है। सोशल मीडिया पर फिर श्रीजगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल हो गई है। बताया जा रहा है कि एक इंटरनेट मीडिया आईडी से रत्नसिंहासन पर विराजमान महाप्रभु श्रीजगन्नाथ की तस्वीरें साझा की गई हैं। तस्वीरों में साफ देखा जा सकता है कि फोटों को अत्यंत नजदीक से लिया गया हैं। हैरानी की बात यह है कि कड़ी जांच व्यवस्था के बावजूद मोबाइल फोन मंदिर परिसर के भीतर कैसे पहुंचा, इस पर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। वायरल तस्वीरों के साथ संबंधित व्यक्ति ने पूरी मंदिर के बाहर अपनी तस्वीरें भी अपलोड की हैं। कुछ दिनों के अंतराल के बाद एक बार फिर श्री जगन्नाथ मंदिर के अंदर की तस्वीरें वायरल होने से मंदिर प्रशासन और सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं।

यह मामला न केवल आस्था, बल्कि मंदिर की सुरक्षा में बड़ी चूक की ओर भी इशारा करता है। जिला प्रशासन से मांग की जा रही है कि पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराए और संबंधित व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

शीतकालीन सत्र में बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी कांग्रेस

चंढीगढ़(एजेंसी)। हरियाणा में गुरुवार से शुरू हो रहे विधानसभा के शीतकालीन सत्र हंगामेदार होने के आसार हैं। शीतकालीन सत्र में कांग्रेस द्वारा बीजेपी सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। पूर्व सीएम एवं विपक्ष के नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में हुड्डा ने आरोप लगाया कि बीजेपी ने हरियाणा में 'वोटों की चोरी' करके सरकार बनाई है। कांग्रेस नेता हुड्डा ने दावा किया कि सत्ता हासिल करने के लिए बीजेपी ने चुनाव से पहले अवैध प्रलोभन देने और एक ही व्यक्ति के लिए कई वोट बनाने जैसे हथकंडों का सहारा लिया। इसलिए सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया जाएगा और उसके गलत कामों का सदन में पर्दाफाश किया जाएगा।

गौरव गोगोई ने अटकलों को दिया विराम कहा- एआईयूडीएफ के साथ कांग्रेस नहीं करेगी गठबंधन

गोवाहाटी (एजेंसी)। असम कांग्रेस के अध्यक्ष गौरव गोगोई ने उन तमाम अटकलों को विराम दे दिया, जिसके तहत कहा जा रहा था कि आने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और एआईयूडीएफ गठबंधन करेगी। इस पर गोगोई ने स्पष्ट इनकार करते हुए कहा कि कांग्रेस इस तरह का कोई गठबंधन नहीं करेगी।उन्होंने एआईयूडीएफ को सांप्रदायिक संगठन बताया और कहा कि 2026 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी पार्टी के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। पहले ही, आठ विपक्षी दलों ने राज्य में सत्तारूढ़ भाजपा को हराने के लिए अगले साल के विधानसभा चुनावों में एकजुट होकर चुनाव लड़ने का फैसला कर लिया है। गोगोई ने यहां पत्रकारों से कहा, ''किसी भी परिस्थिति में एआईयूडीएफ के साथ कोई गठबंधन नहीं होगा। गोगोई ने दावा किया, भाजपा पहले ही देख चुकी है कि मौजूदा नेतृत्व में उसके भविष्य की संभावनाएं बहुत अच्छी नहीं हैं। शीर्ष नेतृत्व को इस बात का एहसास है कि भाजपा के सच्चे कार्यकर्ता पार्टी से निराश हो रहे हैं।

नेशनल हेराल्ड मामले में देश से माफी मांगे पीएम नरेंद्र मोदी: राजेश राम

- ईडी की भूमिका संदिग्ध, हमारे नेताओं को भाजपा के इशारे पर बदनाम करने की रच रहा है साजिश- राजेश राम

नई दिल्ली(एजेंसी)। पटना, (ईएमएस)। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को राजनीतिक द्वेष के तहत फँसाने हेतु केंद्र सरकार के इशारे पर नेशनल हेराल्ड केस में प्रवर्तन निदेशालय के द्वारा की जा रही दुर्भावनापूर्ण कार्रवाई को राउज एवेन्यू कोर्ट से संज्ञान लेने से इंकार करने को जीत बताते हुए भाजपा के नीतियों के विरोध में बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के द्वारा प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम के नेतृत्व में विरोध मार्च पटना के आयकर गोलंबर से भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय तक आयोजित हुआ। इस विरोध मार्च का नेतृत्व कर रहे बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि नेशनल हेराल्ड मामले में हमारे नेता सोनिया गांधी और राहुल गांधी को दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय की चार्जशीट पर संज्ञान लेने से इंकार कर दिया। अदालत ने दोनों के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की तरफ से दोनों के खिलाफ दायर की गई चार्जशीट का संज्ञान लेने से इनकार कर दिया। जबकि ईडी ने दोनों नेताओं को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नाहक परेशान करने के लिए

आरोपी बनाया। नेशनल हेराल्ड केस सिर्फ गांधी परिवार को परेशान करने के लिए है। इस सत्ताधारी भाजपा सरकार द्वारा राजनीतिक बदले की भावना से इस केस को आगे बढ़ाया जा रहा है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि हाल में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि ईडी को कानून के दायरे में रहकर काम करना होगा। साथ ही बताया था कि प्रिवेंशन ऑफ मनी लॉन्ड्रिंग एक्ट (पीएमएलए) के मामलों में दोष सिद्धि की दर 10 प्रतिशत से भी कम है। इसलिए यह केस केवल गांधी परिवार को बदनाम करने और देश में कांग्रेस की छवि को भाजपा के इशारे पर बिगाड़ने के लिए बार बार उठाने का प्रयास किया जा रहा है। इस मामले में संज्ञान नहीं लेने पर हम कोर्ट के आदेश का सम्मान करते हैं और ईडी की भूमिका को संदिग्ध मानते हैं। इसीलिए हम आज विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा से हम मांग करते हैं कि वें राजनीतिक विद्वेष में ऐसे मामले दर्ज कराने से बाज आएं और देश से माफी मांगे। इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का पुतला फूंक कर कांग्रेस नेताओं ने उनके विरोध में गगनभेदी नारे भी लगाएं। आयकर गोलंबर से आगे पुलिस के द्वारा बलपूर्वक प्रदर्शन को रोक लिया गया। प्रदर्शन में पूर्व विधान पार्षद प्रेमचन्द्र मिश्रा, पूर्व विधायक इजहारूल हुसैन, राजेश राठौड़, प्रतिमा कुमारी दास, अमित कुमार टुन्ना, डॉ संजय यादव, डॉ.स्नेहाशीष वर्द्धन पाण्डेय, सौरभ सिन्हा , शशि रंजन, कुमार आशीष, शिशिर कौडिल्य, पंकज यादव, चन्द्र प्रकाश सिंह, शशिकांत तिवारी, कमल कमलेश, कमलदेव नारायण शुक्ला, सत्येन्द्र कुमार सिंह, गुंजन पटेल,केसर कुमार सिंह, संजय पाण्डेय, संतोष कुमार श्रीवास्तव, सुधीर शर्मा, मृणाल अनामय, मुकुल यादव, राजेन्द्र चौधरी, रंजीत कुमार, रीता सिंह, कुमारी माला, गुरूजीत सिंह, विमलेश तिवारी, नीरज कुमार, अरूण पाठक, विशाल यादव, सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसजन मौजूद थे।

वेरिफिकेशन के बाद पांच राज्यों में वोटर लिस्ट जारी, एक करोड़ से ज्यादा नाम कटे

नई दिल्ली। चुनाव आयोग के कराए गए एसआईआर या सामान्य शब्दों में कहें वोटर वेरिफिकेशन के बाद पश्चिम बंगाल, राजस्थान, गोवा, लक्षद्वीप और पुडुचेरी की ड्राफ्ट वोटर लिस्ट जारी की गई है। इसमें कुल मतदाताओं की संख्या में 7.6फीसदी की कमी दर्ज की गई है। आयोग के आंकड़ों के मुताबिक 27 अक्टूबर को एसआईआर की घोषणा के समय जहां इन राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में 13.35 करोड़ मतदाता थे, वहीं ड्राफ्ट सूची में यह संख्या घटकर 12.33 करोड़ रह गई यानी 1.02 करोड़ नाम हटाए गए हैं। बंगाल में 58 लाख 20 हजार 898 वोटरों के नाम हटाने के लिए चिह्नित किए गए हैं। वहीं राजस्थान में 41.85 लाख और पुडुचेरी में 85 हजार वोटर्स के नाम काटे गए हैं। इसके साथ ही घर-घर जाकर जानकारी जुटाने का काम पूरा हो गया है। अब आगे दावा, आपत्ति और सुनवाई की प्रक्रिया शुरू होगी। एसआईआर का दूसरा चरण फरवरी 2026 तक चलेगा और अंतिम वोटर लिस्ट 14 फरवरी 2026 को जारी होगी। इसके साथ ही गोवा और लक्षद्वीप में भी वोटर लिस्ट का ड्राफ्ट प्रकाशित की जाएगी।

ममता का बचाव कर अभिषेक ने कहा... झुकता वहीं है जिसमें जान है, वरना अकड़ मुर्दों की पहचान

कोलकाता (एजेंसी)। मशूहर फुटबॉल खिलाड़ी लियोनेल मेसी के कोलकाता दौरे के दौरान हुई अव्यवस्था और उस पर मची राजनीतिक हलचल ने राज्य का पारा चढ़ा रखा है। वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के कुंभ मेला और अन्य राज्यों की घटनाओं का उदाहरण देकर पश्चिम बंगाल सरकार का बचाव किया है।

सांसद अभिषेक बनर्जी ने भाजपा शासित राज्यों में हुई दुर्घटनाओं (जैसे कुंभ और दिल्ली रेलवे स्टेशन की भगदड़) का जिक्र कर कहा कि वहां किसी ने जिम्मेदारी नहीं ली। उन्होंने ममता बनर्जी की प्रशंसा करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री ने घटना के एक घंटे के भीतर माफी मांग ली। उन्होंने इसके लिए एक शेर का उपयोग किया कि झुकता वहीं है जिसमें जान है, वरना अकड़ मुर्दों की पहचान है। उनके अनुसार, जवाबदेही तय करना ही टीएमसी की जीत का कारण है। दरअसल मेसी का गोटा टूर 2025 कोलकाता के सॉल्ट लेक स्टेडियम में अव्यवस्था का शिकार

हो गया था। फुटबाल प्रशंसकों का आरोप है कि मैदान पर वीआईपी और राजनेताओं की अत्यधिक भीड़ के कारण आम दर्शक मेसी को देख नहीं पाए। टिकट खरीदने के बावजूद मेसी की झलक न मिलने पर प्रशंसकों ने स्टेडियम में तोड़फोड़ की। आयोजकों पर सुरक्षा और समन्वय की कमी के गंभीर आरोप लगे। विवाद बढ़ने के बाद राज्य सरकार ने कड़े कदम उठाए हैं। ममता सरकार में खेल मंत्री अरूप बिस्वास ने नैतिक जिम्मेदारी लेकर अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। घटना की जांच के लिए चार वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) बनाई गई है। डीजीपी राजीव कुमार को 24 घंटे के भीतर स्पष्टीकरण देने के लिए नोटिस जारी किया गया है।

पाकिस्तान के कुख्यात डॉन भट्टी ने दी नीतीश को धमकी... हिजाब मामले में माफी मांगे ले

पटना, (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा एक मुस्लिम महिला के चेहरे से हिजाब खींचने के विवाद में अब पाकिस्तानी डॉन भी कूद गया है। पाकिस्तान के कुख्यात डॉन शहजाद भट्टी ने वीडियो जारी कर धमकी दी है कि सीएम नीतीश माफी मांग लें वरना फिर ये मत कहना है कि चेतावनी नहीं दी।

दरअसल पटना में नवनियुक्त एक आयुष चिकित्सक तब असहज हो गई, जब मुख्यमंत्री नीतीश ने नियुक्ति पत्र प्रदान करने के दौरान उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। घटना का एक वीडियो क्लिप सोशल मीडिया पर भी वायरल हुआ है। यह घटना मुख्यमंत्री सचिवालय 'संवाद' में एक कार्यक्रम के दौरान हुई, जहां एक हजार से अधिक आयुष

चिकित्सकों को नियुक्ति पत्र वितरित किए जा रहे थे।

नियुक्ति पत्र देने के दौरान जब नुसरत परवीन की बारी आई, जो चेहरे पर हिजाब डाले हुई थीं, तब 75 वर्षीय मुख्यमंत्री ने नाराजगी जताकर कहा, ÷यह क्या है?÷ इसके बाद मुख्यमंत्री उनके चेहरे से हिजाब हटा दिया। घबराई हुई नवनियुक्त चिकित्सक को इसके बाद वहां मौजूद एक अधिकारी ने तुरंत एक ओर कर दिया। इस दौरान मुख्यमंत्री के बगल में खड़े उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी उन्हें रोकने के प्रयास में उनकी आस्तीन खींचते हुए नजर आए। इस पर पाकिस्तानी डॉन शहजाद भट्टी ने अपना वीडियो जारी कर कहा है कि सभी लोगों ने देखा होगा कि बिहार में क्या हुआ। एक बड़े पद पर बैठा व्यक्ति एक मुस्लिम महिला के साथ व्यवहार करता है। फिर बाद में मुझपर आरोप लगाए जाते हैं कि भट्टी ने यह कर दिया, वह कर दिया। उस व्यक्ति के पास अभी भी समय है कि वह उस बच्ची और उस महिला से माफी मांगे। अगर आज माफी नहीं मांगी गई, तब जिम्मेदार संस्थानों को इस पर कार्रवाई करनी चाहिए। बाद में यह मत कहना है कि चेतावनी नहीं दी गई थी। कुछ मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, शहजाद भट्टी पाकिस्तान के पंजाब प्रांत का रहने वाला है।

उत्तर और पूर्वी भारत में घना कोहरा, उड़ानों में देरी की संभावना- मौसम विभाग ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर और पूर्वी भारत के कई हिस्से इस समय घने कोहरे की चपेट में हैं। मौसम विभाग (आईएमडी) ने अगले कुछ घंटों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। विशेषज्ञों का कहना है कि दृश्यता कम होने के कारण सड़क और हवाई यातायात पर असर पड़ सकता है। इंडिगो एयरलाइन ने मंगलवार रात को यात्रियों के लिए ट्रैवल एडवाइजरी जारी की। इंडिगो ने कहा कि सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए उड़ान संचालन में बदलाव किया जा सकता है। एयरलाइन की टीमें एयरपोर्ट पर पूरी तरह तैयार हैं और वे फ्लाइट शेड्यूल को अपडेट करने तथा यात्रियों की मदद के लिए काम कर रही हैं। या ?त्रियों को सलाह दी जाती है ?कि घने कोहरे के कारण सड़क यातायात प्रभावित हो सकता है, इसलिए समय से पहले एयरपोर्ट पहुंचें, फ्लाइट की सही टाइमिंग और अपडेट के लिए इंडिगो की आधिकारिक वेबसाइट या ऐप चेक करें एवं किसी भी असुविधा या जानकारी के लिए एयरपोर्ट ग्राउंड स्टाफ से संपर्क करें।

बीजेपी के केंद्रीय मंत्री का दावा... राहुल गांधी और बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच झगड़ा

-बीजेपी का आरोप, कांग्रेस की आंतरिक कलह अब बाहर आ गई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी और उनकी बहन प्रियंका गांधी वाड्रा के बीच विवाद को लेकर दावा किया है। उन्होंने कहा है कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष परिवार से झगड़ा कर विदेश चले गए हैं। फिलहाल, बीजेपी नेता के इन दावों पर कांग्रेस की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इसके पहले भारतीय जनता पार्टी ने कांग्रेस से निकाले गए नेता मोहम्मद मुकीम के पत्र के हवाले से इसतरह का दावा किया था।

केंद्रीय मंत्री बिट्टू से कांग्रेस के प्रदर्शन की तैयारी पर सवाल पूछा गया। इसपर उन्होंने कहा, उनके पास लोग हैं प्रदर्शन करने के लिए? उन्हें महात्मा गांधी से कोई लेना देना नहीं है। उन्हें जो उनका गांधी है, प्रियंका गांधी, राहुल गांधी, इंदिरा गांधी, राजीव गांधी, संजय गांधी, उन्हें उस गांधी से दिक्कत है कि वहां कहां जा रहा है। उन्होंने कहा, लोग उस गांधी को भूल चुके हैं, जो उनके नाम से

जुड़ा हुआ है। उस गांधी को नकार चुके हैं। और बापू गांधी थे हैं और हमेशा रहने वाले है। उन्होंने कहा, राहुल गांधी हैं कहां? अभी मैं उनकी तस्वीरें जर्मनी में देख रहा था। उन्होंने कहा, दोनों गांधी में लड़ाई चल रही है, बड़ी भारी लड़ाई चल रही है। जो मुझे पता लगा है... सदन में जो दो तीन बार जो भाषण हुआ है, उस भी लोगों ने प्रियंका गांधी वाड्रा का जो भाषण है, उसकी तुलना की है। और राहुल गांधी इस चीज से नाराज होकर परिवार और पार्टी से लड़कर यहां से चले गए हैं। उन्होंने कहा, उनकी पार्टी और फैमिली में जो प्रॉब्लम है। इसलिए राहुल गांधी छोड़कर चले गए हैं। बात दें कि इसके पहले भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने लिखा था, टीम प्रियंका बनाम टीम राहुल खुलकर सामने आ गया है। कांग्रेस की आंतरिक कलह अब बाहर आ गई है। उन्होंने लिखा, ओडिशा से वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने सोनिया गांधी को लिखा कि खरगे हटाओ, प्रियंका लाओ। साथ ही प्रदेश और केंद्रीय नेतृत्व पर सवाल उठाए हैं।

धर्मांतरण कानून पर रोक ! राज्यपाल ने लौटा दिया उम्रकैद की सजा वाला बिल

देहरादून (एजेंसी)। जबरन धर्मांतरण के मामलों में सजा का दायरा बढ़ाने से जुड़े उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) विधेयक 2025 को फिलहाल मंजूरी नहीं मिल सकी है। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने इस विधेयक को पुनर्विचार के संदेश के साथ राज्य सरकार को वापस भेज दिया है। बताया जा रहा है कि विधेयक के मसौदे में कुछ तकनीकी खामियों के कारण यह निर्णय लिया गया। विधायी विभाग को यह विधेयक मंगलवार को प्राप्त हुआ।

सरकार के सामने अब इस विधेयक को लागू करने के लिए सीमित विकल्प रह गए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, या तो सरकार अध्यादेश के जरिए इसे प्रभावी बनाए, अथवा अगले विधानसभा सत्र में इसे संशोधनों के साथ दोबारा पारित कराए। धामी सरकार के लिए यह विधेयक काफी अहम माना जा रहा है, क्योंकि इसके जरिए जबरन और

छल-बल से होने वाले धर्मांतरण पर सख्ती बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।राज्य में धर्म स्वतंत्रता कानून का इतिहास पहले से रहा है। वर्ष 2018 में पहली बार उत्तराखंड धर्म स्वतंत्रता (संशोधन) कानून लागू किया गया था। इसके बाद वर्ष 2022 में इसमें संशोधन कर सजाओं को और कठोर बनाया गया। हाल के वर्षों में सामने आए मामलों को देखते हुए सरकार ने 13 अगस्त 2025 को कैबिनेट में प्रस्ताव पारित कर नए संशोधन विधेयक को मंजूरी दी। यह विधेयक 20 अगस्त को गैरसैंण में आयोजित विधानसभा सत्र में पारित भी हो गया था, जिसके बाद इसे राज्यपाल की स्वीकृति के लिए भेजा गया।

सजा और प्रावधानों में बड़े बदलाव

नए विधेयक में छल, दबाव या प्रलोभन से धर्मांतरण कराने पर कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब ऐसे मामलों में कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज करा सकेगा, जबकि पहले यह दायरा केवल खून के रिश्तों तक सीमित था। सामान्य धर्म परिवर्तन के मामलों में जेल की सजा को बढ़ाकर तीन से दस वर्ष कर दिया गया है, जो पहले दो से सात वर्ष थी। इसके अलावा जिलाधिकारी को गैंगस्टर एक्ट की तर्ज पर संपत्ति कुर्क करने का अधिकार देने का प्रस्ताव है। विवाह का झांसा देकर, हमला, षड्यंत्र, नाबालिगों की तस्करी, दुष्कर्म जैसे गंभीर अपराधों के जरिए धर्मांतरण कराने पर न्यूनतम 20 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान रखा गया है। ऐसे मामलों में दोषियों पर दस लाख रुपये तक का जुर्माना भी लगाया जा सकेगा।

बॉन्डी बीच पर हमला करने वाला साजिद हैदराबाद का रहने वाला

-तेलंगाना पुलिस ने किया खुलासा, रोजगार की तलाश में चला गया था आस्ट्रेलिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय के हनुक्का कार्यक्रम में हुए आतंकी हमले ने दुनिया को हिलाकर रख दिया है। इस हमले में 15 लोगों की मौत और दर्जनों लोग घायल हो गए थे। भारत से लेकर ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस तक कई एजेंसियां इस आतंकी साजिश के तार खंगालने में जुटी हैं। शुरुआती रिपोर्ट्स में हमलावरों को पाकिस्तानी मूल का बताया था, लेकिन भारत के तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम मूल रूप से हैदराबाद का रहने वाला था और उसने वहीं से बीकॉम की पढ़ाई पूरी की थी।

वर्ष 1998 में रोजगार की तलाश में ऑस्ट्रेलिया चला गया था और बीते करीब 27 सालों से उसका भारत से कोई संबंध नहीं रहा। पुलिस के मुताबिक साजिद ने इस दौरान केवल छह बार भारत आया यहां तक कि पिता के निधन के समय भी वह भारत नहीं आया। तेलंगाना पुलिस ने साफ किया है कि इस हमले के पीछे भारत या तेलंगाना से जुड़ा कोई स्थानीय लिंक नहीं है और कट्टरपंथी विचारधारा के सूत्र विदेश में ही विकसित हुए हैं।

तेलंगाना पुलिस के मुताबिक साजिद अकरम के पास अब भी भारतीय पासपोर्ट था, लेकिन भारत से उसका रिश्ता सीमित था। पुलिस के मुताबिक ऑस्ट्रेलिया जाने के बाद वह केवल छह बार ही भारत आया और वह भी मुख्य रूप से संपत्ति से जुड़े कामों या बुजुर्ग माता-पिता से मिलने के लिए। ऑस्ट्रेलिया में बसने के बाद साजिद ने यूरोपीय मूल की महिला वेनेरा ग्रोसो से शादी की। उनके दो बच्चे हुए, जिसमें एक बेटा नावेद अकरम और एक बेटी है। दोनों बच्चे ऑस्ट्रेलिया में जन्मे और ऑस्ट्रेलियाई नागरिक हैं।

बता दें 14 दिसंबर को सिडनी के बॉन्डी बीच पर हनुक्का समारोह के दौरान हुए आतंकी हमले में साजिद और उसके बेटे नावेद अकरम ने गोलीबारी की। इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई और 42 से ज्यादा लोग घायल हुए। पुलिस मुठभेड़ में साजिद मारा गया, जबकि नावेद गंभीर रूप से घायल अवस्था में पुलिस हिरासत में है। जांच में सामने आया है कि हमले से कुछ हफ्ते पहले साजिद और नावेद फिलीपींस गए थे। वे 1 नवंबर 2025 को सिडनी से फिलीपींस पहुंचे और 28 नवंबर को वापस लौटे। उन्होंने मिंडानाओ के दावाओ क्षेत्र की यात्रा की थी, जो पहले आईएस से जुड़े आतंकी नेटवर्क के लिए जाना जाता रहा है। बॉन्डी बीच हमला ऑस्ट्रेलिया में पिछले करीब 30 सालों का सबसे बड़ा और सबसे घातक हमला माना जा रहा है।

टाटा केमिकल्स ने एनसीडी के माध्यम से 1,500 करोड़ जुटाए

नई दिल्ली टाटा केमिकल्स लिमिटेड ने निजी निर्गम के जरिए गैर-परिवर्तनीय ऋणपत्र (एनसीडी) जारी कर 1,500 करोड़ रुपये जुटाए। कंपनी ने बताया कि यह एनसीडी असुरक्षित, सूचीबद्ध और कर योग्य है। कंपनी ने 1,00,000 रुपए अंकित मूल्य वाले 1,50,000 एनसीडी जारी किए। इनकी अवधि 2 वर्ष 364 दिन है और कूपन दर 7.06 फीसदी तय की गई है। ये एनसीडी नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के ऋण खंड में सूचीबद्ध होंगे। एनसीडी निवेशकों को निश्चित और स्थिर रिटर्न देते हैं, जबकि कंपनी के लिए यह दीर्घकालिक फंड जुटाने का आसान साधन है। आवंटन को कंपनी के निदेशक मंडल द्वारा गठित आंतरिक समिति ने मंजूरी दी।

रिलायंस कंज्यूमर ने 75 साल पुराने एसआईएल ब्रांड किया रीलॉन्च

बेंगलुरु रिलायंस इंडस्ट्रीज की एफएमसीजी शाखा रिलायंस कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (आरसीपीसीएल)ने 75 साल पुराने फूड ब्रांड एसआईएल को नए रूप में बाजार में पेश किया है। कंपनी ने एसआईएल के तहत नूडल्स, केचप और जैम जैसी प्रोडक्ट रेंज लॉन्च की है। एसआईएल नूडल्स चार वैरिएंट्स–मसाला, आटा विद वेजीज़, कोरियन के-फायर और चाउ-चाउ–5 रुपए से शुरू होंगे। एसआईएल केचप असली टमाटरों से तैयार, बिना कृत्रिम रंग या सिंथेटिक सामग्री, कीमत 1 रुपए और एसआईएल मिक्स्ड फ्रूट जैम आठ फलों से बनी, 100 ग्राम, 200 ग्राम और 500 ग्राम पैक में उपलब्ध, शुरुआती कीमत 22 रुपए है।

जापान का निर्यात नवंबर में सालाना आधार पर छह प्रतिशत बढ़ा

आयात केवल 1.3 फीसदी की वृद्धि हुई

बैंकॉक जापान के निर्यात में नवंबर में सालाना आधार पर 6 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि आयात केवल 1.3 फीसदी बढ़ा। इसके परिणामस्वरूप देश का कुल व्यापार अधिशेष 322.2 अरब येन (लगभग 2.1 अरब अमेरिकी डॉलर) रहा। अमेरिका को निर्यात में लगभग 9 फीसदी की वृद्धि हुई। कार, रसायन और कैमरा निर्यात ने मशीनरी और इस्पात में गिरावट की भरपाई की। अमेरिका से आयात लगभग तीन गुना बढ़ गया, मुख्य रूप से तेल, अनाज और अन्य खाद्य उत्पाद। इसके कारण जापान का अमेरिका के साथ व्यापार अधिशेष बढ़कर 739.8 अरब येन (4.7 अरब अमेरिकी डॉलर) हो गया, जो एक साल पहले की तुलना में 11 फीसदी अधिक है। यूरोपीय संघ को निर्यात में लगभग 20 फीसदी की वृद्धि हुई। मुख्य कारण मशीनरी, वाहन और अन्य विनिर्मित वस्तुओं की बढ़ती मांग रही।

एटरनल के शेयर में 7 महीने की सबसे बड़ी गिरावट

नई दिल्ली फूड डिलीवरी और क्विक कॉमर्स कंपनी एटननल के शेयर में मंगलवार को इंट्रा-डे कारोबार के दौरान करीब 5 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। शेयर 285.70 रुपये तक गिर गया, जो पिछले सात महीनों में एक दिन की सबसे बड़ी कमजोरी मानी जा रही है। इससे पहले 2 मई 2025 को 5.3 और 7 अप्रैल 2025 को लगभग 10 फीसद ी की गिरावट आई थी। 16 अक्टूबर 2025 को शेयर अपने 52 हफ्ते के उच्चतम स्तर 368.40 रुपये पर था, जो लगभग 23 फीसदी है। बाजार में इस गिरावट की प्रमुख वजह सरकार द्वारा चार नए श्रम कानूनों को 21 नवंबर 2025 से लागू करने का निर्णय माना जा रहा है। ये कानून 2020 में पारित हुए थे लेकिन अब तक लागू नहीं हुए। नए नियमों के तहत गिग वर्कर्स के लिए सोशल सिक्योरिटी फंड में योगदान और न्यूनतम वेतन तय करना अनिवार्य होगा।

ईलॉन मस्क की दौलत 600 अरब डॉलर के पार, बेजोस और जुकरबर्ग को पछाड़ा

स्पेसएक्स, टेस्ला और एक्सएआई ने बढ़ाई मस्क की नेटवर्थ

नई दिल्ली

टेस्ला और स्पेसएक्स के मालिक ईलॉन मस्क एक बार फिर दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति बने हुए हैं। फोर्ब्स की रियल-टाइम बिलियनेयर्स लिस्ट के अनुसार उनकी कुल संपत्ति बढ़कर करीब 684.2 अरब डॉलर पहुंच गई। हाल के दिनों में उनकी नेटवर्थ में अचानक तेज उछाल देखने को मिला है, जिसका सबसे बड़ा कारण उनकी निजी अंतरिक्ष कंपनी स्पेसएक्स की तेजी से बढ़ती वैल्यू मानी जा रही है।

महज दो दिनों में उनकी कुल संपत्ति ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई। विशेषज्ञों के मुताबिक, यह बढ़ोतरी निजी कंपनियों की वैल्यूएशन में आए बदलाव के कारण हुई है। मस्क की संपत्ति बढ़ने की सबसे बड़ी वजह स्पेसएक्स है। रिपोर्ट्स के अनुसार स्पेसएक्स अगले साल शेयर बाजार में उतर सकती है और इसकी वैल्यू करीब 800 अरब डॉलर आंकी जा रही है। ईलॉन मस्क की कंपनी में लगभग 42 प्रतिशत हिस्सेदारी है, जिससे उनकी निजी संपत्ति में जबरदस्त उछाल आया है। ईलॉन मस्क की कुल संपत्ति अब कई बड़े अरबपतियों की संयुक्त दौलत से भी ज्यादा बताई जा रही है। अमेजन के संस्थापक जेफ बेजोस, मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग और एनवीडिया के सीईओ जेंसन हुआंग तीनों की कुल संपत्ति मिलाकर भी मस्क की दौलत से कम बताई जा रही है। ईलॉन मस्क के बाद अल्फाबेट के को-फाउंडर लैरी पेज करीब 252 अरब डॉलर के साथ दूसरे स्थान पर हैं। लैरी एलिसन 239.8 अरब डॉलर के साथ तीसरे, जबकि जेफ बेजोस 235.2 अरब डॉलर की संपत्ति के साथ चौथे स्थान पर हैं।

पार्क मेडि वर्ल्ड का शेयर निर्गम मूल्य से कम पर सूचीबद्ध

नई दिल्ली पार्क ब्रांड के तहत अस्पताल चलाने वाली पार्क मेडि वर्ल्ड लिमिटेड का प्रारंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पिछले दिन को बोली के अंतिम दिन आठ गुना अभिदान के साथ बंद हुआ। कंपनी ने 920 करोड़ का आईपीओ लॉन्च किया, जिसमें 770 करोड़ रुपए के नए शेयर और 150 करोड़ रुपए की बिक्री पेशकश (ओएफएस) शामिल थी। कंपनी का शेयर बुधवार को बाजार में लिस्टेड हुआ। बीएसई पर शेयर 155.60 रुपए पर खुला, जो निर्गम मूल्य 162 रुपए से 3.95 फीसदी कम है। वहीं, एनएसई पर यह 158.80 रुपए पर कारोबार शुरू हुआ, जो निर्गम मूल्य से 1.97 फीसदी कम है। लिस्टिंग के समय कंपनी का बाजार मूल्यांकन 6,949.77 करोड़ रुपए रहा। निवेशकों के लिए यह संकेत है कि आईपीओ को अच्छी मांग मिली, लेकिन शुरुआती लिस्टिंग में हल्की गिरावट देखी गई।

डॉलर में 9.5 फीसदी, रुपये में 6.3 फ़ीसदी की गिरावट

मुंबई डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 91.14 पैसे के स्तर तक पहुंच कर 91.1 पेसे पर बंद हुआ। यदि डॉलर इस तेजी के साथ नहीं गिरा हुआ होता। तो भारतीय रुपए की डॉलर के मुकाबले क्या हालत होती, इसे आसानी से समझा जा सकता है। करंसी मार्केट के विशेषज्ञों का कहना है। डॉलर के मुकाबले रुपए की गिरावट कम है। जिसके कारण भारतीय मुद्रा डालर के मुकाबले अपना अस्तित्व बनाकर रख पा रही है। यदि डॉलर में इतनी तेज गिरावट नहीं होती, तो भारतीय रुपया वैश्विक स्तर पर कहीं मुंह दिखाने लायक नहीं रहता। भारतीय रिजर्व बैंक रूप्ये को सपोर्ट नहीं कर रहा है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अर्थव्यवस्था में नगदी के स्तर को बढ़ाने की नीति पर काम कर रहे हैं। भारत में रुपए का, डॉलर के मुकाबले कमजोर होना। इस बात का संकेत है। पेट्रोलियम, खाने के तेल और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के दाम आने वाले महीनो में महंगे होंगे। जो भी समान भारत में आयात हो रहा है। उसमें 13 से 14 फ़ीसदी की तेजी देखने को मिलेगी। अभी अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल के दाम 13 से 14 फ़ीसदी गिर चुके हैं। इसका लाभ भारत को मिल रहा है। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, डॉलर मुद्रा की गिरावट के कारण भारत के रुपए को अप्रत्यक्ष रूप से अभी सपोर्ट जरूर मिल रहा है। यह सपोर्ट ज्यादा दिनों तक नही मिलेगा। देश की अर्थव्यवस्था के लिए यह एक खतरनाक संकेत हैं। आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है, आयात के मुकाबले हमारा निर्यात बहुत कम है। व्यापार घाटा लगातार बढ़ता जा रहा है। विदेशी मुद्रा को लेकर जो संकट भारत में पैदा हो रहा है।

शेयर बाजार हल्की गिरावट के साथ बंद

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार बुधवार को हल्की गिरावट के साथ बंद हुआ । बाजार में ये गिरावट दुनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। इसी कारण दिन भर के करोबार के बाद 30 शेयरों पर अधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 120.21 अंक टूटकर 84,559.65 जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 41.55 अंक नीचे आकर 25,818.55 पर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान रियल्टी शेयरों के कारण बाजार पर दबाव पड़ा। निफ्टी रियल्टी इंडेक्स 0.84 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ। निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 0.49 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 0.47 फीसदी, निफ्टी प्राइवेट बैंक 0.44 फीसदी नीचे आकर बंद हुआ।

वहीं निफ्टी पीएसयू बैंक 1.29 फीसदी, निफ्टी आईटी 0.29 फीसदी और निफ्टी मेटल 0.25 फीसदी फिसलकर बंद हुआ। आज कारोबार के दौरान लार्जकैप की जगह पर मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में अधिक बिकवाली रही। निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 321.95 अंक नीचे आकर 59,388.85 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 126.60 अंक टूटकर 17,138.55 पर रहा था।

सेंसेक्स पैक में इन्फोसिस, सनफार्मा, एक्सिस बैंक, मारुति सुजुकी, टीसीएस, टाटा स्टील, पावर ग्रिड, टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल के शेयर लाभ में रहे जबकि ट्रेंट, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, बीईएल, टाइटन, एशियन पेंट्स और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरे

इससे पहले आज सुबह बाजार लगभग सपाट रुख के साथ खुले। डॉलर के मुकाबले रुपये में लगातार जारी कमजोरी ने निवेशकों की धारणा पर नकारात्मक असर डाला। सेंसेक्स 84,856 अंक पर खुला। शुरुआती कारोबार में उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स 169.35 अंक की बढ़त के साथ 84,849.21 के स्तर पर कारोबार करता नजर आया। वहीं निफ्टी भी 25,902 अंक पर सपाट खुलने के बाद यह 54.15 अंक की मजबूती के साथ 25,920 पर करोबार कर रहा था। एशियाई बाजारों में बुधवार को ज्यादातर कमजोरी देखने को मिली। जापान से आए नए व्यापार आंकड़ों के बाद निक्केई 225 में 0.14 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी, एएसएक्स 200 भी 0.21 फीसदी फिसला, जबकि दक्षिण कोरिया का कोस्पी क्षेत्रीय रुझान के उलट 0.5 फीसदी उछला। अमेरिकी बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। एसएंडपी गिरावट के साथ 0.24 फीसदी नीचे बंद हुआ। नैस्डैक कंपोजिट 0.23 फीसदी बढ़ा, जबकि डॉव जोंस 0.62फीसदीगिरा।

रुपए में तेज गिरावट बुनियादी आर्थिक चिंता का संकेत नहीं: अर्थशास्त्री

जून 2027 तक 92 प्रति डॉलर तक कमजोर होने की संभावना

नई दिल्ली

डॉलर के मुकाबले रुपये में हालिया तेज गिरावट बुनियादी आर्थिक चिंता का संकेत नहीं है, यह बात एक अर्थशास्त्री द्वारा कही गई है। उन्होंने स्पष्ट किया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) केवल तभी विनिमय दर में हस्तक्षेप करेगा जब गिरावट सहनीय स्तर से आगे बढ़े। मंगलवार को रुपया 91 के स्तर को पार कर गया और लगातार चार सत्रों में नए निचले स्तर पर आया। रिपोर्ट में बताया गया है कि जून 2026 तक रुपये का औसत स्तर लगभग 90 प्रति डॉलर रहने की उम्मीद है और जून 2027 तक यह कमजोर होकर 92 प्रति डॉलर तक जा सकता है। गिरावट की गति मुख्य रूप से पूंजी प्रवाह और वैश्विक जोखिम-लेने की क्षमता पर निर्भर करेगी। उन्होंने यह भी कहा कि आरबीआई विदेशी मुद्रा भंडार बनाने के लिए अतिरिक्त पूंजी को अवशोषित कर सकता है और विनिमय दर व्यवस्था में बदलाव धीरे-धीरे ही किया जाएगा। 2022 में डॉलर के मुकाबले रुपया 11.4 फीसदी गिर गया था, जिसके बाद आरबीआई ने लचीली विनिमय दर के तहत धीरे-धीरे हस्तक्षेप कर उतार-चढ़ाव को सीमित किया। हालांकि, 2024 के अंत में अधिक हस्तक्षेप के कारण विदेशी मुद्रा भंडार में करीब 88 अरब डॉलर की गिरावट आई, जिससे रुपये का स्तर 90 पार हो गया। उन्होंने ने कहा कि आरबीआई मौजूदा चक्र में ब्याज दर में और कटौती नहीं करेगा, क्योंकि महंगाई दर अपेक्षाकृत अधिक रहने की संभावना है। उन्होंने यह भी कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 में महंगाई लगभग 4 फीसदी रहने की उम्मीद है।

सरकार करेगी इंडियन ओवरसीज बैंक के तीन फीसदी शेयरों का विनिवेश

गैर-खुदरा निवेशकों के लिए सार्वजनिक बिक्री प्रारंभ

नई दिल्ली इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी) की सार्वजनिक बिक्री (ओएफएस) गैर-खुदरा निवेशकों के लिए बुधवार से शुरू हो गई है। सरकार अपनी तीन फीसदी हिस्सेदारी बेचने जा रही है। इसके तहत 2 फीसदी हिस्सेदारी यानी 38.51 करोड़ शेयर मूल पेशकश में बेचे जाएंगे, जबकि 1 फीसदी हिस्सेदारी यानी 19.25 करोड़ शेयर 'ग्रीन शू' विकल्प के तहत बेचे जा सकते हैं। इस कदम से सरकार लगभग 1,960 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रख रही है। खुदरा निवेशकों के लिए ओएफएस गुरुवार से खुलेगा। प्रत्येक शेयर का न्यूनतम मूल्य 34 रुपए तय किया गया है। मंगलवार को आईओबी का शेयर बाजार में 36.57 रुपए पर बंद हुआ था। ओएफएस में 1.5 लाख शेयर कर्मचारियों के लिए आरक्षित किए गए हैं। पात्र कर्मचारी अधिकतम 5 लाख रुपए तक के शेयरों के लिए आवेदन कर सकते हैं। यह सुविधा कर्मचारियों को बैंक की हिस्सेदारी में प्रत्यक्ष भागीदारी का अवसर देती है। इंडियन ओवरसीज बैंक में वर्तमान में सरकार की हिस्सेदारी 94.61 फीसदी है। यह विनिवेश न्यूनतम सार्वजनिक हिस्सेदारी नियम के अनुरूप किया जा रहा है, जिसके तहत सूचीबद्ध कंपनियों में कम से कम 25 फीसदी हिस्सेदारी आम जनता के पास होनी चाहिए।

हिमाचल प्रदेश में पाकिस्तानी गुब्बारे देखे जाने की घटनाएं

शिमला (ईएमएस)। हिमाचल प्रदेश में बीते कुछ हफ्तों से अलग-अलग जिलों में पाकिस्तान से जुड़े गुब्बारे देखे जा रहे हैं, जिन पर पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस या पाकिस्तानी झंडा छपा हुआ है। इन घटनाओं के सामने आने के बाद स्थानीय लोगों में दहशत और आशंका का माहौल बन गया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए हिमाचल प्रदेश पुलिस ने जांच तेज कर दी है और पंजाब व राजस्थान पुलिस से भी संपर्क साधा है, ताकि इन गुब्बारों के स्रोत और मकसद का पता लगाया जा सके। पुलिस के अनुसार, हाल ही में ऊना जिले के दौलतपुर क्षेत्र के चलेट गांव में एक व्यक्ति को अपनी छत पर हवाई जहाज के आकार का एक गुब्बारा मिला, जिस पर पीआईए लिखा हुआ था। इसकी सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गुब्बारे को जब्त कर लिया। इससे पहले 8 दिसंबर को गगरेट क्षेत्र के तातेहरा गांव में भी इसी तरह के तीन गुब्बारे बरामद किए गए थे। इन गुब्बारों पर पाकिस्तानी झंडा बना हुआ था और उन पर 'आई लव पाकिस्तान' लिखा हुआ था। इसके अलावा बीते कुछ महीनों के दौरान हमीरपुर और कांगड़ा जिलों से भी ऐसे ही गुब्बारे मिलने की खबरें सामने आ चुकी हैं। लगातार सामने आ रहे इन मामलों को लेकर हिमाचल प्रदेश पुलिस ने भारतीय वायुसेना के अधिकारियों से भी संपर्क किया है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अब तक जांच में इन गुब्बारों के भीतर कोई संदिग्ध उपकरण, निगरानी से जुड़ा गैजेट, ट्रैकर या अन्य आपत्तिजनक सामग्री नहीं पाई गई है। इसके बावजूद सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावना को नजरअंदाज नहीं कर रही हैं।

केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली और दमण और दीव प्रशासन
पर्यटन विभाग, दा.न.ह. एवं दमण एवं दीव
शुद्धिपत्र-I
जम्पोर घाट, सीफ्रंट, मोटी दमण में स्टॉल संचालन की अनुमति प्रदान करने हेतु
सं.4/442/DT/DMN/JMPRGHT/STALLS/24-25/669
Visit https://ddtenders.gov.in/ or, visit https://ddd.gov.in/ dnhddtourism@gmail.com Phone No. 0260-2250002
हार्ड कॉपी जमा करने की अंतिम तिथि : 30/12/2025
निदेशक (पर्यटन), पर्यटन विभाग, विद्युत भवन, कचीगाम, दमण – 396 215
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1004 DATE : 17/12/2025

UT ADMINISTRATION OF DADRA & NAGAR HAVELI AND DAMAN & DIU
Department of Land Acquisition, Daman
Draft Rehabilitation and Resettlement Scheme
Purpose: Acquisition of land for Construction of New School building for Government School, Kachigam
Notice and Draft Rehabilitation and Resettlement Scheme
No. 3/140/LND-ACQ/2025-26/2519 Dated 16.12.2025.
For details please scan or visit https://ddd.gov.in/
City Kachigam, Nani Daman.
Area of acquisition 700.00 Sq.mtrs.
The Land Acquisition Collector, Daman
NO:IP/DMN/2/5/2025-26/1001 DATE : 17/12/2025

CHANGE OF NAME
I HAVE CHANGED MY OLD NAME FROM ASIF IBRAHIM MALLIK TO NEW NAME ASIF HUSAIN MALLIK AS PER DOCUMENTS

torrent POWER DNHDD
बिजली बंद होने की सूचना
उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा नेटवर्क रखरखाव की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया है। निम्न दर्शित संबंधित सबस्टेशनों के सामने दिखाए गए क्षेत्रों के उपभोक्ताओं के लिए, उल्लेखित तिथियों पर सुबह ९:०० बजे से सांय ६:०० बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरू करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक एवं वार	सबस्टेशन	क्षेत्र का नाम
१९/१२/२०२५ शुक्रवार	दादरा (PTR-1, PTR-3, PTR-5)	सीएमसी गली, ग्रेअर और वेइल गली, संदीप गली और नहर विस्तार, नोवा आई.ई., डुग्गर, नीरो फ्लेक्स विस्तार और श्रद्धा आई.ई. विस्तार, सिलवासा-वापी मुख्य सड़क विस्तार, साई कॉम्प्लेक्स विस्तार, दादरा गार्डन विस्तार, टाउन विस्तार, ब्लूस्टार गली और ग्लोमोर आई.ई., उद्योगी सेफ्टी गली, वलसाड फलिया, ओल्ड प्रिंस पाइप विस्तार, स्पाइरल फ्लेक्स / निशात मोल्डिंग विस्तार, यूरो डेकोर विस्तार और महेन्द्र शाह डीटी विस्तार, कोम्युनिटी हेल्थ सेन्टर (सीएचसी दादरा), रतन पेट्रोल पंप विस्तार, जरिया मोरा, ईशान इन्ड., मैक्सवेल इन्ड., परशुराम पुरिया विस्तार, दुर्गा मेटल इन्ड., पान एशिया इन्ड. ११ केवी एक्सप्रेस फीडरः आर.के फिलामेन्ट, राम रत्न वायर्स, जीएम प्लास्ट + सीएमसी, सरला परफॉर्मेंस + एयरो फाइबर प्रा.लि., सनफार्मा + ग्रेअर और वेईल इंडिया लिमिटेड यूनिट-२, एसआरवी सिंथेटिक, कल्पना इंडस्ट्रीज + ब्लूस्टार, सिनफैब, वाल्सन, मदुरा, भूमि यार्न, इमरीज मिनरल, एवरलोन (विष्णु लक्ष्मी), ईशान, रुइया रेयॉन + आर.एम. नीटर ६६ केवी फीडरः दामोदर इंडस्ट्रीज लि.

बिजली चोरी !! जेल की सजा। (भारतीय विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत)
जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत उद्देश्यों के लिए बिजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।
आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

torrent POWER DNHDD
बिजली बंद होने की सूचना
उपभोक्ताओं को निर्बाध और गुणात्मक बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए दादरा नगर हवेली एवं दमन दीव पावर कोर्पोरेशन लिमिटेड (ट्रान्समिशन) द्वारा लोड शेडिंग की योजना बनाई है, ऐसा हमें सूचित किया गया हैं। हालांकि, बिजली आपूर्ति निर्धारित समय से पहले शुरु करने के सभी प्रयास किए जाएंगे।

दिनांक	सबस्टेशन	फीडर	क्षेत्र का नाम
१८/१२/२०२५ गुरुवार समय : सुबह ९-०० से १९/१२/२०२५ शुक्रवार समय : सुबह ९-०० बजे तक (२४ कलाक)	वाघधारा	११ केवी वाघधारा ईन्ड.- २,३,५,८,९ और नेशनल फाईबर एकसप्रेस	पार्थ आई.ई., सर्वोत्तम ईन्ड., एस एच लगेज विस्तार के पास, डुग्गर कंपनी, नटराज ईन्ड., प्रेमको ग्लोबल, गौतम गेस गली, झीरो टेक्स ईन्ड. एस्टेट, स्पान आई.ई., अलीधारा आई.ई., श्रीनाथ आई.ई., श्री कृष्णा फ्रेशो फूडस, डोर्फकेटल एक्सप्रेस फीडरः ११ केवी नेशनल फाईबर एकसप्रेस फीडर
१९/१२/२०२५ शुक्रवार समय : सुबह ९-०० से २०/१२/२०२५ शनिवार समय : सुबह ९-०० बजे तक (२४ कलाक)	वाघधारा	वाघधारा पीटीआर - १	एक्सप्रेस फीडरः ११ केवी प्रिन्स पाईप्स-१ अेन्ड २ एकसप्रेस फीडर ११ केवी विनस गम एकसप्रेस फीडर ११ केवी एसआरवी एकसप्रेस फीडर ११ केवी एमसीपीपी ईन्डिया एकसप्रेस फीडर ११ केवी नोवा ईन्ड. पार्क १ अेन्ड २ एकसप्रेस फीडर ११ केवी स्टर्लाईट टेकनोलोजी एकसप्रेस फीडर
२०/१२/२०२५ शनिवार समय : सुबह ९-०० से २१/१२/२०२५ रविवार समय : सुबह ९-०० बजे तक (२४ कलाक)	वाघधारा	११ केवी वाघधारा ईन्ड.- २,३,५,८,९ और नेशनल फाईबर एकसप्रेस	पार्थ आई.ई., सर्वोत्तम ईन्ड., एस एच लेगेज विस्तार के पास, डुग्गर कंपनी, नटराज ईन्ड., प्रेमको ग्लोबल, गौतम गेस गली, झीरो टेक्स ईन्ड. एस्टेट, स्पान आई.ई., अलीधारा आई.ई., श्रीनाथ आई.ई., श्री कृष्णा फ्रेशो फूडस, डोर्फकेटल एक्सप्रेस फीडरः ११ केवी नेशनल फाईबर एकसप्रेस फीडर

बिजली चोरी !! जेल की सजा। (भारतीय विद्युत अधिनियम, २००३ की धारा १३५ के तहत)
जो कोई भी बेईमानी से अनधिकृत कनेक्शन लगाता है, मीटरों से छेड़छाड़ करता है या अनधिकृत उद्देश्यों के लिए बिजली का उपयोग करता है, उसे तीन साल तक की कैद, जुर्माना या दोनों से दंडित किया जा सकता है। कानूनी कार्रवाई से बचने के लिए अवैध बिजली कनेक्शन का उपयोग करने से बचें।
आपकी सेवा में सदैव उपस्थित
24/7 Helpline 9099991912, 18002339500, 19126, 18002705551
connect.torrentpower.com
connect.dnhdd@torrentpower.com

अमीरी की जीवनशैली, प्रदूषण का बोझ और गरीब की त्रासदी

ललित गर्ग

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा।

देश की राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली आज जिस घातक पर्यावरण संकट से गुजर रही है, वह केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के लिये चेतावनी है। विडंबना यह है कि इस संकट के नाम पर जो तात्कालिक उपाय लागू किए जाते हैं, उनका सबसे बड़ा खामियाजा वही तबका भुगतता है, जिसकी इसमें सबसे कम भूमिका होती है-गरीब और श्रमिक वर्ग। इसी पीड़ा को शब्द देते हुए सुप्रीम कोर्ट को कहना पड़ा कि अमीरों की जीवनशैली से पैदा हुई मुश्किलों का सामना गरीबों को करना पड़ता है। यह टिप्पणी न केवल कानूनी दृष्टि से महत्वपूर्ण है, बल्कि सामाजिक और नैतिक चेतना को झकझोरने वाली भी है। दिल्ली-एनसीआर में बढ़ते प्रदूषण से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम. पंचोली की पीठ ने यह मर्मस्पर्शी टिप्पणी की। वरिष्ठ अधिवक्ता और न्यायमित्र अपराजिता सिंह की दलीलों पर गौर करते हुए अदालत ने स्पष्ट कहा कि ग्रैप-4 जैसी सख्त पाबंदियों का सबसे ज्यादा असर गरीबों पर पड़ता है। निर्माण कार्य रुकते हैं, दिहाड़ी मजदूरों की रोजी-रोटी ठप हो जाती है, जबकि प्रदूषण पैदा करने वाली जीवनशैली में शामिल संपन्न तबके पर अपेक्षित प्रभाव नहीं पड़ता। मुख्य न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि समस्या की जड़ अमीरों की जीवनशैली है और समाधान भी वहीं से शुरू होना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अदालत ऐसे प्रभावी और लागू करने योग्य आदेश पारित करेगी, जिन्हें जरूरत पड़ने पर सख्ती से लागू भी किया जा सकेगा।

जस्टिस सूर्यकांत का कहना था कि महानगरों में लोगों की अपनी अलग जीवनशैली होती है, जिन्हें वे बदलना नहीं चाहते। यही वजह है कि समस्या अमीरी की वजह से होती है, लेकिन झेलना गरीब को पड़ता है। दरअसल, अदालत की सोच रही है कि हमारा परिवेश-पर्यावरण साफ-सुथरा रहे, इसके लिये हम सबको अपने कुछ सुखों का त्याग करना होगा, अपने जीवन को पर्यावरण के अनुकूल ढालना होगा एवं प्रकृति-एवं पर्यावरण के प्रति सकारात्मक रवैया अपना होगा। यह जानते हुए कि पर्यावरण पर आने वाले संकट व प्रदूषित हवा का अमीर-गरीब पर समान असर पड़ता है फिर भी अमीर लोग इससे बेपरवाह रहते हैं। निस्संदेह, शीर्ष अदालत ने समाज की दुखती रग पर हाथ रखा है। चौड़ी होती सड़कें, नए फ्लाईओवर और हाईवे बनने के बावजूद जाम और प्रदूषण कम नहीं हो रहे। कारण साफ है निजी वाहनों का बेहिसाब इस्तेमाल। एक व्यक्ति, एक कार का चलन न केवल सड़क की जगह घेरता है,

बल्कि कार्बन उत्सर्जन को भी कई गुना बढ़ाता है। कभी ऑड-इवन जैसी योजनाओं पर चर्चा हुई, कार-पूलिंग की बात चली, लेकिन सार्वजनिक परिवहन को सस्ता, सुगम और भरोसेमंद बनाने की इच्छाशक्ति लगातार कमजोर रही। आज एसी, कूलर और अन्य वातानुकूलन साधनों का बढ़ता उपयोग भी पर्यावरण संकट को गहराता जा रहा है। इससे बिजली की खपत बढ़ती है, तापमान में वृद्धि होती है और अप्रत्यक्ष रूप से प्रदूषण का दायरा फैलता है। उद्योगों में भी पर्यावरणीय नियमों का ईमानदार पालन नहीं होता। जल संकट इसका एक और क्रूर उदाहरण है-जहां झुग्गी-बस्तियों में पीने के पानी की किल्लत है, वहीं पॉश कॉलोनियों में लॉन सींचे जाते हैं, कारें धुलती हैं और स्विमिंग पूल भरे रहते हैं। कुदरत ने हवा, पानी और संसाधन सभी के लिये दिए हैं, लेकिन अमीरी के असमान दखल ने इनके वितरण को अन्यायपूर्ण बना दिया है। राजनीतिक दल एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप तो करते हैं, लेकिन ठोस और दीर्घकालिक समाधान सामने नहीं आते।

अब समय आ गया है कि सरकार और जनता-दोनों अपनी भूमिका ईमानदारी से निभाएं। सरकार को सार्वजनिक परिवहन को मजबूत, सस्ता और आकर्षक बनाना होगा, उद्योगों पर पर्यावरणीय नियमों का कड़ाई से पालन कराना होगा और शहरी विकास की नीतियों को पर्यावरण-संवेदनशील बनाना होगा। वहीं जनता को भी अपनी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा-अनावश्यक वाहन उपयोग से बचना, ऊर्जा की खपत कम करना, एसी और अन्य सुविधाओं का संयमित इस्तेमाल करना और साझा संसाधनों के प्रति जिम्मेदार व्यवहार अपनाना होगा। विडंबना यह है कि सत्ताधीशों ने दिल्ली में सार्वजनिक ट्रांसपोर्ट को सशक्त करने को प्राथमिकता नहीं दी। यदि सार्वजनिक परिवहन सस्ता व सहज उपलब्ध होता तो शायद सड़कों पर कारों का दबाव कम होता। हाल के दिनों में संपन्न व मध्यम वर्ग में एसी व अन्य वातानुकूलन उपायों के उपयोग का प्रचलन तेजी से बढ़ा है। इससे जहां प्रदूषण बढ़ाने वाली बिजली की खपत बढ़ी है, वहीं बाहर का तापमान व कार्बन उत्सर्जन भी बढ़ा है। इसी तरह तमाम अमीरों द्वारा संचालित उद्योगों में उन उपायों का ईमानदारी से पालन नहीं किया गया जो पर्यावरण में प्रदूषण कम करने में सहायक होते हैं।

सरकारों की नीतिगत विफलता इस बढ़ते वायु प्रदूषण की त्रासदी का बड़ा कारण है। प्रदूषण पर नियंत्रण के लिए योजनाएं तो बनती हैं, पर उनमें न तो स्थायित्व होता है, न गंभीरता। प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड संसाधनों की कमी से जूझ रहे हैं, निगरानी तंत्र कमजोर है, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों पर कार्रवाई नगण्य है। केंद्र और राज्य सरकारों के बीच जिम्मेदारी का बंटवारा अस्पष्ट है। हर साल सर्दियों में दिल्ली और उत्तर भारत के अन्य शहरों की हवा जहरीली हो जाती है, तब कुछ दिन के लिए ह्यआपात कदमह्ल उठाए जाते हैं, पर जैसे ही धुंध छंटती है, सब कुछ फिर पहले जैसा हो जाता है। नीतियों में पारदर्शिता का अभाव और उद्योगपतियों का दबाव भी एक गहरी समस्या है। कोयला आधारित उद्योगों, पेट्रोलियम कंपनियों और निर्माण व्यवसाय से जुड़ी लॉबी सरकारों पर ऐसा प्रभाव बनाए रखती हैं कि कठोर कदम उठाना राजनीतिक दृष्टि से असुविधाजनक बन जाता है। स्वच्छ ऊर्जा की ओर संक्रमण को हमेशा ह्यमहंगा विकल्पह्ल बताकर टाला जाता है, जबकि वास्तव में यह निवेश मानव जीवन और पर्यावरण की सुरक्षा में है।

वायु प्रदूषण का संकट केवल वातावरण में धूल और धुएं का मामला नहीं है, यह आर्थिक अन्याय, राजनीतिक असंवेदनशीलता और सामाजिक उदासीनता का प्रतीक बन चुका है। जो सरकारें जनजीवन सुधारने का वादा करती हैं, वे हवा की गुणवत्ता सुधारने में विफल रही हैं। आंकड़े बताते हैं कि वायु प्रदूषण से भारत की अर्थव्यवस्था को हर साल सकल घरेलू उत्पाद का लगभग दस प्रतिशत तक का नुकसान हो रहा है। यह नुकसान केवल पैसों में नहीं, बल्कि मानव संसाधन की हानि, स्वास्थ्य पर बोझ और जीवन की गुणवत्ता में गिरावट के रूप में भी दिखाई देता है। अब समय है कि इस संकट को केवल पर्यावरणीय मुद्दा न मानकर एक सामाजिक और नैतिक चुनौती के रूप में देखा जाए। हवा का अधिकार हर नागरिक का मौलिक अधिकार है, लेकिन यह अधिकार धीरे-धीरे छिनता जा रहा है। अमीरों को अपनी जीवनशैली पर संयम लाना होगा, अपने निवेशों को स्वच्छ ऊर्जा की ओर मोड़ना होगा, और प्रदूषण फैलाने वाले उद्योगों से दूरी बनानी होगी। सरकारों को सख्त नीति बनानी चाहिए, जो न केवल प्रदूषण फैलाने वालों को दंडित करे बल्कि स्वच्छ प्रौद्योगिकी अपनाने वालों को प्रोत्साहन दे।

वायु प्रदूषण एक सामूहिक अपराध बन गया है जिसमें अपराधी कम और पीड़ित अधिक हैं। अब यह वक्त है जब विकास की परिभाषा में स्वच्छ हवा और सुरक्षित वातावरण को सबसे ऊपर रखा जाए। सरकारें यदि सचमुच राष्ट्र की समृद्धि चाहती हैं, नया भारत-विकसित भारत बनाना चाहती है तो उन्हें सांसों की सुरक्षा को प्राथमिकता देनी होगी। अमीर तबके को भी यह समझना होगा कि जिस हवा को वे अपने निवेशों से दूषित कर रहे हैं, वह अंततः उन्हीं की अगली पीढ़ियों की सांसों को रोक देगी। वायु प्रदूषण और जल प्रदूषण को लेकर किसी किस्म की उदासीनता देश और मानवता के साथ अन्याय होगा। अमीरी होना कोई अपराध नहीं, लेकिन अमीरी की कीमत अगर गरीब चुकाए, तो वह सभ्य समाज की हार है। सुप्रीम कोर्ट की यह टिप्पणी और सोच हमें यही संदेश देती है कि स्वच्छ पर्यावरण के लिये कुछ सुखों का त्याग अनिवार्य है। यदि आज हमने अपनी आदतें नहीं बदलीं, तो आने वाली पीढ़ियों को हम केवल प्रदूषित हवा, सूखते जलस्रोत और असमानता की विरासत ही सौंप पाएंगे।

संपादकीय

इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय

क्रोनी कैपिटलिज्म में राजसत्ता पसंदीदा पूंजीपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है। यह लाभ पाने के लिए पूंजीपति सत्ताधारियों को प्रसन्न रखने की कोशिश करते हैं। जबकि इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय नजर आया और आखिरकार उसने घुटने टेक दिए। इंडिगो एयरलाइन्स के मामले ने बताया है कि भारत में सरकार और उपभोक्ता दोनों कॉरपोरेट्स- खासकर मोनोपॉली कायम कर चुकी कंपनियों के आगे असहाय हैं। इस प्रकरण का संदेश है कि क्रोनी कैपिटलिज्म जैसी बातें पुरानी पड़ चुकी हैं। क्रोनी कैपिटलिज्म में फिर भी शक्ति प्रमुख रूप से राजसत्ता के पास ही होती है, जो अपने पसंदीदा पूंजीपतियों को अनुचित लाभ पहुंचाती है। यह लाभ पाने के लिए पूंजीपति सत्ताधारियों को प्रसन्न रखने की कोशिश में जुटे रहते हैं। जबकि इंडिगो प्रकरण में केंद्र असहाय नजर आया और आखिरकार उसने घुटने टेक दिए। घटनाक्रम पर ध्यान दीजिएः उड़ान को सुरक्षित बनाने के लिए भारत सरकार ने नियम जारी किए। इंडियो एयरलाइन्स को वे नियम पसंद नहीं आए, क्योंकि उससे उड़ान संचालन की लागत बढ? वाली थी। उसने उन नियमों पर आपत्ति जताई, मगर सरकार ने उसे नजरअंदाज किया। इस बीच इंडिगो टिकट बुकिंग करती रही। उड़ानों को रद्द करने की पूर्व चेतावनी उसने जारी नहीं की। और अचानक रद्द करना शुरू कर दिया। उसे अंदाजा जरूर रहा होगा कि ऐसा होने पर खूब शोर-शराबा होगा- आखिर विमान यात्रा करने वाले लोग प्रभु वर्ग आते हैं, जिनकी नाराजगी सरकार मोल नहीं ले सकती। आखिरकार सरकार को अपने दिशा-निर्देश वापस लेने पड़े। इंडिगो ने बुकिंग महीनों पहले की थी। उस रकम पर उसने ब्याज कमाया। रिफंड उड़ान रद्द होने के बाद किए गए। तो नुकसान में यात्री रहे। मगर इंडिगो के फ्रंट ऑफिस में मौजूद कर्मचारियों पर भड़कने के अलावा कुछ और करना उनके वश में नजर नहीं आया। नए नियम क्या थे? यही कि पायलटों से आठ घंटे काम लिया जाए और उन्हें पर्याप्त छुट्टी दी जाए। इंडिगो भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन है, लेकिन प्रति विमान उपलब्ध पायलटों की संख्या के लिहाज से (प्रति विमान 13) वह पांचवें नंबर आती है। उसके कर्मचारी काम के कैसे बोझ में रहते होंगे, इसका अंदाजा लगाया जा सकता है। स्वाभाविक है कि पायलट एसोसिएशन ने नियम वापस लेने के सरकार के फैसले का विरोध किया है। मगर मोनोपॉली व्यवस्था में जब सरकार अपनी नहीं मनवा सकती, तो कर्मचारी या उपभोक्ता क्या सोचते हैं- इसे कौन पूछता है?

पहलगाम के बाद सिडनी इस जहरीली कट्टरपंथी सोच के खात्मे की जरूरत

मनोज कुमार अग्रवाल

पहले पहलगाम में धर्म पूछ कर निरीह हिन्दू पर्यटकों का कत्लेआम और अब सिडनी के बीच पर यहूदियों का खून खराबा आखिर यह कौन सी खून की प्यास है और यह कब और कैसे बुझेगी? आपको बता दें कि आस्ट्रेलिया में सिडनी के बोंडी बीच पर बीते रविवार 14 दिसंबर को यहूदी पर्व हनुका के दौरान दो आर्तकियों ने अंधी गोलीबारी कर निर्ममता भरा कत्लेआम किया , जिसमें कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई, जिनमें एक 10 साल की बच्ची भी शामिल है, वहीं करीब 50 लोग घायल हुए हैं। दोनों आतंकी जिस तरह खुशियां मनाते लोगों पर बेरहमी से गोलियां चलाने लगे, उसने पहलगाम आतंकी हमले की खौफनाक याद दिला दी। बॉडी बीच पर दोनों आर्तकियों के गोलियां बरसाते वीडियो सामने आए हैं। जिस अंदाज से उन्होंने इस हमले को अंजाम दिया है, उससे अनुमान लगता है कि उनके पास न केवल अत्याधुनिक हथियार थे, बल्कि उन्हें चलाने का बाकायदा प्रशिक्षण भी उन्हें मिला है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया है कि गोलीबारी के बाद पास की एक सड़क पर एक कार से कई इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस यानि विस्फोटक बरामद किए गए, यानी हमले की साजिश इससे कहीं ज्यादा तबाही फैलाने और ज्यादा से ज्यादा लोगों को मारने की थी। आपको बता दें कि आर्तकियों का मंसूबा और अधिक खून खराबा करने का रहा होगा जो पूरा नहीं हो सका। एक आतंकी तो पुलिस की गोली से घटनास्थल पर ही मारा गया, जबकि दूसरा अभी घायल है। पुलिस के मुताबिक दोनों आतंकी बाप-बेटे थे। उनके नाम साजिद और नवीद अकरम बताए गए हैं। खबर है कि मूल रूप से ये दोनों पाकिस्तान के थे। भारत के बाद अब आस्ट्रेलिया हमले में भी पाकिस्तान का नाम आने के बाद शाहबाज शरीफ सरकार और सैन्य प्रमुख असीम मुनीर की चुनौतियां बढ़ने वाली हैं, क्योंकि अब इस घटनाक्रम में ऑस्ट्रेलिया के साथ-साथ इजरायल भी जुड़ चुका है, यानी परोक्ष तौर पर अमेरिका भी जुड़ा ही हुआ है। पता हो कि यह हमला यहूदियों पर हुआ है, इसलिए इजरायल की स्वाभाविकतौर पर तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है। ऑस्ट्रेलियाई पुलिस ने इसे यहूदी समुदाय को निशाना बनाकर किया गया आतंकवादी हमला करार दिया है, यानी आस्ट्रेलिया में यहूदी विरोधी माहौल बन रहा है, इसे सरकार ने भी मान लिया है। बता दें कि बोंडी बीच इलाका, ऑस्ट्रेलिया के सबसे बड़े यहूदी आबादी वाले क्षेत्रों में से एक है, जहां करीब 40,000 यहूदी रहते हैं। हनुक्का उत्सव के पहले दिन आयोजित इस समुद्र-तटीय कार्यक्रम में करीब 1,000 लोग मौजूद थे। यानी आतंकी जानते थे कि किस वक्त हमला करके सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता है। शांति और खुशी के माहौल में त्योहार मना रहे लोगों से किसी को क्या दिक्कत हो सकती है? लेकिन नस्ल और धर्म आधारित नफरत के शैतान हमेशा इंसानियत के कत्ल से अपनी खूनी प्यास मिटाने की जुर्रत करते हैं यह हमला पहलगाम की पुनरावृत्ति मालूम पड़ रहा है इस हमले के वीडियो देखकर पहलगाम हमले की यादें ताजा हो जाती हैं। वहां भी आम लोग छुट्टियों का आनंद ले रहे थे, बोंडी बीच पर भी लोग छुट्टियों का लुत्फ उठा रहे थे। पहलगाम में आतंकवादियों ने धर्म पूछकर गोलियां बरसाई थीं, बोंडी बीच पर अंधाधुंध गोलियां बरसाईं, क्योंकि पहले से पता था कि ये यहूदी हैं, जो हनुका त्योहार मनाने के लिए इकट्ठे हुए हैं। हंसी-खुशी का माहौल मातम में बदल गया। ऑस्ट्रेलियाई मीडिया रिपोर्टों में एक हमलावर का नाम (पाकिस्तानी मूल का) नवीद अकरम बताया जा रहा है। इस बात का पहले से ही शक था। यूं तो ऑस्ट्रेलिया काफी शांत और सुरक्षित देश माना जाता है, लेकिन इसकी सरकारों ने पिछले तीन दशकों में प्रवासियों के मामले में जो उदारता दिखाई, अब उसके फल मिलने लगे हैं। इस देश को श्रम शक्ति बढ़ाने के लिए लोगों की जरूरत थी। ऑस्ट्रेलियाई सरकारों ने पाकिस्तान, अफगानिस्तान, ईरान, बांग्लादेश, सीरिया, लीबिया जैसे देशों के नागरिकों के लिए अपने दरवाजे खोले थे। यह गलत नहीं है, लेकिन जिन लोगों को बुलाया गया, उनकी जांच-पड़ताल करनी चाहिए थी। ऑस्ट्रेलिया में कई इलाके ऐसे हैं, जहां पाकिस्तानी बड़ी तादाद में रहते हैं। अक्सर स्थानीय लोग शिकायत करते हैं कि ये हमेशा असंतुष्ट रहते हैं, ज्यादा से ज्यादा अधिकारों की मांग करते हैं, खुद नियम-कानूनों की धज्जियां उड़ाते हैं, गंदगी फैलाते हैं और अपनी मर्जी चलाने की कोशिश करते हैं। स्पष्ट कर दें कि ऑस्ट्रेलिया में लोग चिंता जता चुके हैं कि देश में कट्टरपंथ बढ़ता जा रहा है और सरकार को कोई परवाह नहीं है। बोंडी बीच हमले के बाद एजेंसियां जांच में जुटी हैं। अगर इस घटना के पीछे पाकिस्तानियों का पूरा नेटवर्क निकल आए तो इस पर किसी को आश्चर्य नहीं होना चाहिए। इस बात को समझने की जरूरत है कि पाकिस्तान में यहूदियों से बहुत ज्यादा घृणा की जाती है। वहां कट्टरपंथी उपदेशक यहूदियों के खिलाफ आग उगलते रहते हैं। ऐसा ही भारत में होता रहा है यहां भी मजहबी उपदेशक अपनी कट्टरपंथी मजहबी सोच को अशिक्षित अनुयायी लोगों के जहन को जहरीला बनाने के लिए बड़े पैमाने पर सक्रिय हैं। इससे आम लोगों की सोच प्रभावित हो रही है। जब बोंडी बीच हमले की खबरें पाकिस्तानी चैनलों के सोशल मीडिया पेजों पर प्रसारित हुई तो टिप्पणियों में कई पाकिस्तानी नागरिक खुशियां मना रहे थे। वे इसे गाजा, फिलिस्तीन, लेबनान, ईरान से जोड़कर देख रहे थे। आम लोगों की हत्याओं पर कोई व्यक्ति खुशी कैसे मना सकता है? इससे उसकी कैसी मानसिकता झलकती है? पहलगाम हमले के बाद भी पाकिस्तानी नागरिक खबरों पर ऐसी ही प्रतिक्रिया दे रहे थे।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया चुनाव 2025- 'हार की जीत' – एक स्वतंत्र पत्रकार की कारुणिक लेकिन साहसिक कथा

विनोद कुमार सिंह

लोकतंत्र केवल जीत का उत्सव नहीं होता। वह हार के आत्ममंथन, विवेक के परीक्षण और चरित्र की कसौटी का भी नाम है। चुनावी राजनीति में हार को प्रायः पराजय के रूप में देखा जाता है, किंतु जब यह हार सत्य, साहस और ईमानदार संघर्ष के साथ आती है, तब वह केवल परिणाम नहीं रहती, बल्कि एक वैचारिक विजय में रूपांतरित हो जाती है। प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के वर्ष 2025 के चुनाव में कार्यकारिणी सदस्य पद पर लगातार दूसरी बार मिली पराजय मेरे लिए भी ऐसी ही एक 'हार की जीत' है।

यह आलेख किसी व्यक्तिगत पीड़ा की अभिव्यक्ति भर नहीं है। यह उस संस्थागत यथार्थ का दस्तावेज है, जहाँ लोकतांत्रिक प्रक्रियाएँ तो विद्यमान हैं, किंतु सत्ता का हस्तांतरण लगभग असंभव होता जा रहा है। यह कथा एक स्वतंत्र पत्रकार की है, जो बिना किसी पैनल, बिना संसाधन, बिना सत्ता-समर्थन के, केवल विचार, विवेक और आत्मबल के सहारे मैदान में उतरा। परिणाम पराजय का रहा, पर आत्मा ने हार स्वीकार नहीं की।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया कभी स्वतंत्र पत्रकारिता की चेतना, संवाद और असहमति का जीवंत प्रतीक रहा है। यह वह मंच था जहाँ विचार टकराते थे, प्रश्न उठते थे और सत्ता से निर्भीक संवाद होता था। किंतु बीते वर्षों में यह संस्था धीरे-धीरे एक सीमित दायरे में सिमटती दिखाई देने लगी है। लगातार ग्यारह वर्षों से एक ही सत्तारूढ़ पैनल का सत्ता में बने रहना किसी संयोग का परिणाम नहीं, बल्कि एक सुसंगठित व्यवस्था का संकेत है। चुनाव होते हैं, मतदान होता है, लेकिन सत्ता का चरित्र लगभग अपरिवर्तित रहता है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक संस्था के लिए गंभीर चिंता का विषय है। इस पूरे परिदृश्य में विपक्ष लगभग अनुपस्थित दिखाई देता है। न कोई सशक्त वैचारिक मंच, न साझा एजेंडा,न दीर्घकालिक रणनीति। स्वतंत्र उम्मीदवार बिखरे हुए हैं, संसाधनहीन हैं और आपसी समन्वय के अभाव में एक-दूसरे के पूरक बनने के बजाय प्रतिस्पर्धी बन जाते हैं। परिणामस्वरूप वोटों का विभाजन होता है और सत्तारूढ़ पैनल पहले से अधिक मजबूती के साथ लौट आता है। इस अर्थ में यह हार किसी एक व्यक्ति की नहीं, बल्कि सामूहिक रणनीतिक विफलता की भी कहानी है।वर्ष 2025 के चुनाव में कुल 1268 मत पड़े,जिनमें से 1227 मत वैध घोषित किए गए। इस व्यापक मतदान के बीच मुझे केवल 291 मत प्राप्त हुए। कागज पर यह संख्या छोटी प्रतीत हो सकती है, किंतु मेरे लिए यह मात्र एक अंक नहीं थी। वे 291 मत 291 विवेकपूर्ण निर्णय थे, 291 चेहरे थे, 291 ऐसी आवाजें थीं जिन्होंने भय, प्रलोभन और सत्ता के दबाव से ऊपर उठकर स्वतंत्र सोच का साथ दिया। जब परिणाम लगभग पूर्वनिर्धारित हों, तब 291 मत भी एक प्रतिरोध का स्वर बन जाते हैं।

यह मेरी लगातार दूसरी पराजय है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि ऐसा क्यों हुआ। उत्तर सरल नहीं, किंतु स्पष्ट अवश्य है। पहला कारण यह कि मैं किसी पैनल का हिस्सा नहीं था। दूसरा यह कि मेरे पास न तो संस्थागत संसाधन थे और न ही संगठित प्रचार तंत्र। तीसरा और सबसे महत्वपूर्ण कारण यह कि मैंने समझौतावादी राजनीति को अस्वीकार किया। मैंने वादों और सौदों की राजनीति नहीं की। मैंने केवल मुद्दों की बात की–पत्रकारों की सुरक्षा,स्वास्थ्य सुविधाएँ, आवास,स्वतंत्र पत्रकारों की पहचान और प्रेस क्लब को सत्ता-केंद्र के बजाय संवाद-केंद्र बनाने की आवश्यकता।दुर्भाग्यवश आज के समय में मुद्दों की राजनीति अक्सर प्रबंधन और नेटवर्क की राजनीति से हार जाती है।यह स्वीकार करना होगा कि सत्तारूढ़ पैनल संगठित है, अनुशासित है और वर्षों से बने प्रभावी नेटवर्क का लाभ उठाता है। क्लब की व्यवस्थाएँ, संसाधन और निर्णय-प्रक्रियाएँ उसी के इर्द-गिर्द केंद्रित हो चुकी हैं। इसके विपरीत स्वतंत्र प्रत्याशी केवल अपनी नैतिक पूंजी के सहारे खड़े दिखाई देते हैं, जो चुनावी गणित में अक्सर अपर्याप्त सिद्ध होती है।चुनाव परिणाम के बाद का क्षण किसी भी प्रत्याशी के लिए कठिन होता है। वर्षों का अनुभव, लेखनी की धार और ईमानदार संघर्ष जैसे क्षणभर में अप्रासंगिक प्रतीत होने लगते हैं। मन में अनेक प्रश्न उठते हैं–क्या सच बोलना अब भी मूल्य है? क्या अकेले खड़े होना मूर्खता है? क्या स्वतंत्रता की कीमत बहुत अधिक है? लेकिन जब यह प्रश्न अंतरात्मा के दरबार में जाते हैं, तो उत्तर एक ही मिलता है–यदि जीत के लिए आत्मा गिरवी रखनी पड़े, तो ऐसी जीत भी हार से कम नहीं होती।

प्रेस क्लब ऑफ इंडिया के ऐतिहासिक परिसर में परिणाम घोषित होने के बाद का दृश्य आज भी स्मृति में अंकित है।चारों ओर शोर था,विजयी पैनल के समर्थकों के चेहरे पर मुस्कान और आत्म विश्वास था। उसी भीड़ में मैं अकेला, शांत और विचारों में डूबा खड़ा था। कारण स्पष्ट था–मैं जीत नहीं पाया था। किंतु उस क्षण भीतर कोई टूटन नहीं थी।बल्कि एक विचित्र शांति थी,जो केवल तब आती है जब व्यक्ति जानता हो कि उसने अपने विवेक से समझौता नहीं किया। कई साथियों ने बाद में आकर कहा–'हमें पता था आप जीतेंगे नहीं, फिर भी हमने आपको वोट दिया। यह वाक्य मेरे लिए किसी भी पद या जीत से बड़ा था।यह इस बात का प्रमाण था कि क्लब के भीतर अभी भी ऐसी चेतना शेष है,जो अवसरवाद से ऊपर उठकर मूल्य को चुनती है।यही कारण है कि यह हार मुझे भारी नहीं लगी।यह ईमानदार थी,खरी थी और किसी सौदे का परिणाम नहीं थी।

उस रात नींद नहीं आई।एकांत में प्रश्नों की लंबी शृंखला थी। पत्रकारिता के मूल्यों पर,स्वतंत्रता के भविष्य पर और संस्थागत संरचनाओं की जटिलताओं पर विचार चलता रहा।सुबह जब सूरज की पहली किरण आई,तो मन में एक स्पष्टता भी आई।मैंने जो किया, वह अपने विवेक के अनुसार किया। मैंने हार स्वीकार की है,लेकिन आत्मसमर्पण नहीं।

यह चुनाव यह भी उजागर करता है कि पत्रकारिता के भीतर भी सत्ता संरचनाएँ कितनी गहराई तक जड़ जमा चुकी हैं।प्रेस क्लब ऑफ इंडिया,जो संवाद और बहस का मंच होना चाहिए,कहीं-न-कहीं सुविधा, प्रभाव और प्रबंधन का केंद्र बनता जा रहा है। यह कहना असहज हो सकता है,किंतु सच यही है कि हमें सत्ता से सवाल पूछने की क्षमता केवल बाहर नहीं,अपने संस्थानों के भीतर भी विकसित करनी होगी। यह मेरी अंतिम लड़ाई नहीं है।यह केवल एक पड़ाव है।भविष्य में यदि फिर मैदान में उतरूँगा,तो और व्यापक संवाद,अधिक संगठित वैचारिक मंच और दीर्घकालिक दृष्टि के साथ उतरूँगा।स्वतंत्र पत्रकारों को केवल चुनाव के समय नहीं,पूरे वर्ष जोड़ने की आवश्यकता है।परिवर्तन क्षणिक नहीं होते,वे निरंतर प्रयास से आकार लेते हैं।

यह हार मुझे छोटा नहीं करती। यह मुझे और जिम्मेदार बनाती है।जब तक लिखने की क्षमता है,तब तक सवाल उठाने का दायित्व है। जब तक विवेक जीवित है,तब तक स्वतंत्र पत्रकारिता की लौ जलती रहेगी।शायद यही मेरी वास्तविक जीत है। मै अपने उन मीडिया मित्रों ' मतदाताओं व अपने समर्थको का आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझे इस चुनाव अपना मत के साथ बहुमूल्य समर्थन व योगदान दिया । अंततः जीवन में वही हार सबसे बड़ी जीत होती है, जो आपको पराजय के बाद भी सच्चा बनाए रखे।

चिंतन-मनन

अनुशासन का पाठ

गुरु अंबुजानंद के पास अनेक शिष्य शिक्षा ग्रहण करने के लिए आते थे। उनका आश्रम लंबे समय से चल रहा था। अब चूंकि अंबुजानंद काफी वृद्ध हो गए थे, गुरुकुल चलाना उनके लिए कठिन हो रहा था। वह अपने शिष्यों में से ही किसी एक को गुरुकुल का सारा कार्यभार सौंपना चाहते थे। एक दिन उन्होंने अपने 18 श्रेष्ठ विद्यार्थियों को अपने पास बुलाया। उन्होंने उनसे कहा, आप सभी प्रतिभाशाली, मेहनती और ईमानदार हैं। यदि मैं आपको शिक्षा के लिए किसी विशेष क्षेत्र में नियुक्त करना चाहूं तो आप कौन-कौन से क्षेत्र को चुनना चाहेंगे?

यह सुनकर सभी शिष्य कुछ देर सोचते रहे और फिर 17 विद्यार्थियों ने अपने-अपने मनपसंद क्षेत्रों के नाम गुरु को बता दिए। अठारहवां शिष्य आयुष अभी तक कुछ सोच ही रहा था। उसे चुप देखकर गुरु ने पूछा, बेटा आयुष, तुमने अपने लिए किसी क्षेत्र का चुनाव नहीं किया? गुरु की बात सुनकर आयुष ने सिर झुकाकर कहा, गुरुजी, मैंने आपसे ही शिक्षा ग्रहण की है। मैं आपके द्वारा सीखी गई शिक्षा को जन-जन तक फैलाना चाहता हूं। इसके लिए मुझे किसी क्षेत्र विशेष का चुनाव करने की आवश्यकता नहीं है। मैं हर क्षेत्र में आपके द्वारा प्रदान की गई शिक्षाओं को दूसरों तक पहुंचाना चाहूंगा। हालांकि क्षेत्र से भी ज्यादा महत्वपूर्ण है आपके दिए गए मूल्य या संस्कार का प्रसार, जो शास्त्रों से अलग है। मैं चाहता हूं कि लोग उसे जानें ताकि वे नैतिक दृष्टि से भी श्रेष्ठ हों। मात्र पुस्तकीय ज्ञान से कुछ नहीं होने वाला है। आपने जो अनुशासन का पाठ हमें पढ़ाया है, उसे तो मैं विशेष रूप से सिखाना चाहूंगा। ज्ञान पाने के लिए व्यक्तित्व को एक खास सांचे में ढालना पड़ता है। आपने जिस तरह हमें ढाला है, मैं भी दूसरों को ढालना चाहूंगा। आयुष की बात सुनकर गुरु अंबुजानंद का चेहरा प्रसन्नता से खिल उठा। उन्होंने उसे गले से लगाकर कहा, बेटा, आज से यह गुरुकुल तुम्हारी देखरेख में ही चलेगा।

संक्षिप्त समाचार

श्रीलंका का पूर्व टेस्ट क्रिकेटर गिरफ्तार

कोलंबो, एजेंसी। श्रीलंका के पूर्व टेस्ट क्रिकेटर और वर्ल्ड कप जीतने वाले कप्तान अर्जुन रणतुंगा के बड़े भाई दम्मिका को देश के भ्रष्टाचार विरोधी आयोग ने गिरफ्तार किया और बाद में सोमवार को उन्हें जमानत पर रिहा कर दिया गया। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने बताया कि 63 साल के दम्मिका को 2017 में सरकारी कंपनी सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन द्वारा कच्चे तेल की खरीद में गलत टेंडर प्रक्रिया के लिए गिरफ्तार किया गया था, जब वह इसके चेयरमैन थे। भ्रष्टाचार जांच आयोग ने कहा कि दम्मिका के अनुचित प्रभाव के कारण सीलोन पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन को 800 मिलियन श्रीलंकाई रुपये का नुकसान हुआ।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया। जांच में हृदय की बाई धमनी में ब्लॉकेज मिलने पर स्टेंट डाला गया।

बलोच नेता की अपील-पाकिस्तानी कब्जे को बेनकाब करतीं फिल्में बनाएं

वाशिंगटन, एजेंसी। बलोच अमेरिकन कांग्रेस के अध्यक्ष तारा चंद ने भारतीय फिल्म उद्योग से ऐसी फिल्में बनाने की अपील की है, जो बलूचिस्तान पर पाकिस्तान के जबरन और अलोकतांत्रिक कब्जे को दिखाए। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि, बलूचिस्तान ने मार्च 1948 में पाकिस्तान के कब्जा करने से पहले ही स्वतंत्रता हासिल की थी। चंद ने आरोप लगाया कि इस कब्जे के बाद से ही पाकिस्तानी सेना ने बलूचिस्तान के अरबों डॉलर के प्राकृतिक संसाधनों को योजनाबद्ध तरीके से लूटा है।

मोरक्को के साफी में आई बाढ़ से 37 मौतें

साफी, एजेंसी। मोरक्को के साफी शहर में भारी बारिश से आई बाढ़ में 37 लोगों की मौत हो गई है। गृह मंत्रालय ने कहा, रात भर अचानक हुई भारी बारिश से आई बाढ़ से कई घर-व्यवसाय जलमग्न हो गए और 10 वाहन बह गए। स्कूलों को तीन दिनों के लिए बंद कर दिया गया है। बारिश के कारण अन्य हिस्सों में भी बाढ़ आई है, जिनमें तटीय शहर टेटुआन और पहाड़ी शहर टिंगहिर शामिल हैं।

हांगकांग : लोकतंत्र समर्थक जिम्मी लाई दोषी करार

विक्टोरिया, एजेंसी। स्वायत्तशासी क्षेत्र हांगकांग की प्रसिद्ध मीडिया हस्ती रहे और चीन के मुखर आलोचक जिम्मी लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े एक ऐतिहासिक मामले में सोमवार को शहर की अदालत ने दोषी ठहराया। सरकार द्वारा नियुक्त तीन जजों ने 78 वर्षीय लाई को राष्ट्रीय सुरक्षा को खतरे में डालने के लिए विदेशी ताकतों के साथ मिलीभगत करने और राजद्रोहपूर्ण लेख प्रकाशित करने की साजिश रचने का दोषी पाया। हालांकि लाई ने खुद को निर्दोष बताया है। हांगकांग के कानून के तहत लाई को उम्रकैद की सजा हो सकती है।

हत्या मामला : मुकदमे का सामना कराने के लिए पेरू से अमेरिका लाया गया व्यक्ति

लॉस एंजिलिस , एजेंसी। दक्षिण कैलिफोर्निया के जंगल में अपनी पत्नी की हत्या करने और उसका शव फेंकने के आरोप में मुकदमे का सामना करने के लिए एक व्यक्ति को पेरू से अमेरिका लाया गया। लॉस एंजिलिस के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। लॉस एंजिलिस काउंटी शेरिफ विभाग ने कहा, जोसिमार कैब्रेरा (36 वर्षीय) शुक्रवार रात लॉस एंजेलिस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचा। उसे अगस्त के अंत से पेरू में हिरासत में रखा गया था। जिला अटॉर्नी कार्यालय ने उनके खिलाफ हत्या का मामला दायर किया है। रविवार तक यह पता नहीं था कि उसके पास वकील है या नहीं।

नेपाल में भारतीय राजदूत के स्वास्थ्य में सुधार

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल में भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव को स्टेंट डाला गया है। उनकी स्थिति में सुधार हो रहा है। राजदूत को शुक्रवार को चंपादेवी पहाड़ी पर हाइकिंग के दौरान दिल का दौरा पड़ा था। उन्हें नेपाली सेना के हेलिकॉप्टर से ग्रांडी अस्पताल लाया गया।

ऑस्ट्रेलिया हमले पर बड़ा खुलासा- इस्लामिक स्टेट से ली प्रेरणा, फिलीपींस गए थे बाप-बेटा

सिडनी, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में बॉन्डी बीच पर रविवार शाम को हुए सामूहिक गोलीबारी हमले में कम से कम 15 लोगों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हो गए। यह हमला यहूदी समुदाय के हानुका उत्सव 'चानुका बाय द सी' के दौरान हुआ, जिसमें करीब एक हजार लोग शामिल थे। पुलिस ने इसे आतंकी घटना घोषित कर दिया है और प्रारंभिक जांच से संकेत मिल रहे हैं कि हमलावर इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित थे।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मंगलवार को कहा कि हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित लगता है। उन्होंने इसे नफरत की विचारधारा करार दिया, जो पिछले एक दशक से कुछ लोगों को उग्रवादी बनाने का काम कर रही है। पुलिस ने पुष्टि की है कि हमलावरों की कार में दो घरेलू स्तर पर बने इस्लामिक स्टेट के झंडे और इंप्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी) मिले हैं।

हमलावरों की पहचान : हमलावर पिता-पुत्र थे। 50 वर्षीय साजिद अकरम और उसके 24 वर्षीय बेटे नवीद अकरम ने इस हमले को अंजाम दिया। साजिद अकरम की पुलिस की गोलीबारी में मौके पर ही मौत हो गई, जबकि नवीद गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में पुलिस हिरासत में है। साजिद के पास छह हथियारों का वैध लाइसेंस था, जिनका इस्तेमाल हमले में किया गया लगता है।

पुलिस कमिश्नर माल लैन्यन ने बताया कि दोनों हमलावर पिछले महीने फिलीपींस की यात्रा पर गए थे और इस यात्रा के उद्देश्य की जांच चल रही है। कुछ रिपोर्ट्स में संकेत है कि वे वहां मिलिट्री ट्रेनिंग लेने गए थे। नवीद अकरम की 2019 में ऑस्ट्रेलियाई खुफिया एजेंसी एएसआईओ ने जांच की थी, क्योंकि उसके आईएस से जुड़े एक सेल से संबंध थे, लेकिन तब उसे तत्काल खतरा नहीं माना गया।

हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था: एंथनी अल्बनीज

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) की विचारधारा से प्रेरित था। समाचार एजेंसी एएफपी और बीबीसी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। अल्बनीज ने कहा, ऐसा प्रतीत होता है कि यह हमला इस्लामिक स्टेट की विचारधारा से प्रेरित था। यह बात उन्होंने ऑस्ट्रेलियन ब्रॉडकास्टिंग कॉरपोरेशन (एबीसी) के सिडनी चैनल को दिए गए एक रेडियो इंटरव्यू में कही, जिसके अंश उनके कार्यालय ने समाचार एजेंसियों के साथ साझा किए।

उन्होंने इस हमले को 'सुनियोजित, योजनाबद्ध और बेहद बर्बर' बताया। अल्बनीज ने कहा कि अब तक की जांच से संकेत मिलता है कि दो हमलावरों (जो पिता और बेटे की जोड़ी थे) ने अकेले ही इस वारदात को अंजाम दिया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक, अल्बनीज ने कहा कि यह वह विचारधारा है जो एक दशक से ज्यादा समय से मौजूद है, जिसने नफरत की सोच को जन्म दिया और इसने बड़े पैमाने पर हत्या करने की मानसिकता पैदा की। उन्होंने यह भी कहा कि हमलावर नवीद अकरम पहले भी दूसरों के साथ उसके संबंधों की वजह से अधिकारियों की नजर में आया था। नवीद का पिता साजिद अकरम पुलिस की गोलीबारी में मारा गया था।

रिपोर्ट में प्रधानमंत्री अल्बनीज के हवाले से कहा गया, जिन दो लोगों से वह (नवीद) जुड़ा हुआ था, उन पर आरोप लगे और वे जेल भी गए। लेकिन उस समय उसे ऐसा व्यक्ति नहीं समझा गया था कि जिस पर विशेष नजर रखने की जरूरत हो। अल्बनीज की ओर से यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब लगातार इस तरह की अटकलें लगाई जा रही थीं कि साजिद और नवीद अकरम इस्लामिक स्टेट से प्रभावित थे।

कानून प्रवर्तन के वरिष्ठ अधिकारियों ने एबीसी को बताया था कि इसकी संभावना है, क्योंकि हमलावरों की कार से कथित तौर पर आईएस एक का झंडा बरामद हुआ था। न्यू साउथ वेल्स के पुलिस आयुक्त माल लान्योन के अनुसार, इस हमले में 15 लोगों की मौत हुई, इसके अलावा एक हमलावर भी मारा गया। मृतकों में एक 10 साल की बच्ची भी शामिल थी। बॉन्डी बीच गोलीबारी के पीछे शामिल दोनों हमलावरों की पहचान सोमवार सुबह (स्थानीय समय) की गई। पुलिस आयुक्त लान्योन ने बताया कि 50 वर्षीय और 24 वर्षीय दो पुरुष ही इस हमले में शामिल एकमात्र शूटर थे। नवीद अकरम को घटनास्थल से गिरफ्तार कर अस्पताल ले जाया गया। न्यू साउथ वेल्स पुलिस ने यह भी बताया कि उसके पिता साजिद अकरम को हमले के दौरान पुलिस ने गोली मारी थी, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मेक्सिको में प्लेन फैक्ट्री से टकराई, 7 की मौत, 3 लापता; इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश में हादसा

मेक्सिको, एजेंसी। मेक्सिको में सोमवार को एक छोटा विमान इमरजेंसी लैंडिंग के दौरान क्रैश हो गया। इसमें सात लोगों की मौत हो गई जबकि 3 लापता हैं। यह प्राइवेट जेट एकापुल्को से टोलुका एयरपोर्ट के लिए उड़ान भर रहा था, लेकिन इमरजेंसी लैंडिंग की कोशिश में सैन मेटियो एटेंको इलाके में क्रैश हो गया। विमान ने एक फुटबॉल फील्ड पर लैंडिंग की कोशिश की, लेकिन पास की एक फैक्ट्री की मेटल छत से टकरा गया, जिससे आग लग गई। आग की वजह से इलाके के करीब 130 लोगों को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया गया। दुर्घटना की जांच चल रही है, और शुरुआती रिपोर्ट्स में इंजन फेलियर की बात कही जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि प्राइवेट जेट में 8 पैसेंजर्स और 2 क्रू मेंबर थे। फिलहाल 7 लोगों के शव मिले हैं। बाकी लोगों की तलाश जारी है।

छत से टकराया विमान : प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, विमान एक फुटबॉल मैदान पर उतरने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान वह पास में स्थित एक व्यावसायिक इमारत की लोहे की छत से टकरा गया। टक्कर के बाद विमान में आग लग गई, जिसने आसपास के क्षेत्र को भी अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के बाद मौके पर दमकल और बचाव दल पहुंचे और आग पर काबू पाया। दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है।

इलाके से 130 लोगों को निकाला गया बाहर : सैन मातेओ अतेन्को की मेयर आना मुनिज ने बताया कि आग की गंभीरता को देखते हुए आसपास के करीब 130 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। प्रशासन ने एहतियातन पूरे इलाके को घेर लिया। स्थानीय लोगों में दहशत का माहौल है। अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही हादसे की असली वजह साफ हो पाएगी।

बीएनपी लीडर बोले- बुद्धिजीवियों की सामूहिक हत्या पाकिस्तानी सेना ने नहीं की थी

ढाका, एजेंसी। चुनाव करीब आते ही बांग्लादेश में भारत विरोधी बयानबाजी में उछाल आ गया है। बीएनपी के एक नेता ने दावा किया है कि 1971 में तत्कालीन पूर्वी पाकिस्तान में बंगाली बुद्धिजीवियों की सामूहिक हत्या पाकिस्तानी सेना ने नहीं, बल्कि 'एक पड़ोसी देश' की सेना ने की थी। यह अप्रत्यक्ष इशारा भारत की ओर था।

बांग्लादेश की राष्ट्रवादी पार्टी के नेता एडवोकेट अबू अल यूसुफ खान टिपू, जो पार्टी की नारायणगंज शहर इकाई के सदस्य सचिव हैं, ने रविवार को शहीद बुद्धिजीवी दिवस के अवसर पर जिला प्रशासन द्वारा आयोजित एक चर्चा में ये टिप्पणियां कीं। इन टिप्पणियों की काफी आलोचना हुई है और बीएनपी ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया है। ये टिप्पणियां बंगलादेश के विजय दिवस, 16 दिसंबर से एक दिन पहले आई हैं, जो पाकिस्तानी सेना के आत्मसमर्पण का प्रतीक है और भारत में भी विजय दिवस के रूप में मनाया जाता है।

टीपू ने जमात को पश्चिमी पाकिस्तानी सेना के अत्याचारों में ऐतिहासिक रूप से मिलीभगत के आरोप से बरी करते हुए कहा कि हत्याओं के लिए किसी एक विशेष राजनीतिक समूह को दोषी ठहराना 'इतिहास का विकृतिकरण' है और उन्होंने जमात से अंतरिम सरकार से 'इतिहास को सही करने' की मांग करने का आग्रह किया।

उनकी ये टिप्पणियां जमात नेता गुलाम पोरवार द्वारा कार्यक्रम के दौरान किए गए इसी तरह के दावों के बाद आईं, जिन्होंने दावा किया कि बुद्धिजीवियों की हत्या के पीछे भारत का हाथ था, जो 'भारतीय सेना और उसकी खुफिया एजेंसी द्वारा रची गई एक सुनियोजित साजिश' का हिस्सा था और यहां तक कि उन्होंने झूठा दावा भी किया कि भारतीय सेना ने 8 दिसंबर तक ढाका पर कब्जा कर लिया था।

डोनाल्ड ट्रंप ने बीबीसी पर ठोक दिया मानहानि का मुकदमा, मांगा 10 अरब डॉलर का हर्जाना

वाशिंगटन, एजेंसी। एक भाषण को एडिट करने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मीडिया हाउस बीबीसी पर मुकदमा ठोक दिया है। उन्होंने बीबीसी से 10 अरब डॉलर के हर्जाने की मांग भी की है। उन्होंने ब्रिटिश प्रसारक पर मानहानि के साथ-साथ भ्रामक और अनुचित तरीके से व्यापार करने का आरोप लगाया। दरअसल 6 जनवरी 2021 को डोनाल्ड ट्रंप ने अपने समर्थकों को संबोधित किया था। इसके बाद उनके समर्थक कैपिटल हिल पर पहुंच गए और हिंसक हो गए।

रिपोर्ट्स के मुताबिक बीबीसी ने ट्रंप के भाषण के वीडियो में 'फाइट लाइक हेल' दिखाया लेकिन उनके दूसरे पार्ट को काट दिया जिसमें वह शांतिपूर्ण प्रदर्श की बात कर रहे थे। बीबीसी पर 33 पन्नों के इस मुकदमे में ट्रंप का ''झूठा, मानहानिकारक, भ्रामक, अपमानजनक, भड़काऊ और दुर्भावनापूर्ण चित्रण'' करने का आरोप लगाया गया है और इसे 2024 के अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में ''हस्तक्षेप करने तथा उसे प्रभावित करने की निर्लज्ज कोशिश'' बताया गया है। इसमें बीसीसी पर ''राष्ट्रपति ट्रंप के छह जनवरी, 2021 के भाषण के दो पूरी तरह से अलग-अलग अंशों को एक साथ जोड़ने'' का आरोप लगाया गया ताकि ''ट्रंप द्वारा कही गई बातों के अर्थ को जानबूझकर गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा सके।'' बता दें कि बीबीसी की फंडिंग उसके दर्शकों से होती है। डोनाल्ड ट्रंप की लीगल टीम का कहना है कि बीबीसी लेफ्ट अजेंडा चलाता है और इसलिए डोनाल्ड ट्रंप को बदनाम करने की कोशिश में लगा रहता है। बीबीसी की तरफ इस मुकदमे को लेकर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी गई है। 2024 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले डॉक्युमेंट्री प्रकाशित करने को लेकर बीबीसी पहले से ही संकट का सामना कर रहा है। कई सीनियर अधिकारी इस्तीफा दे चुके हैं। इससे बीबीसी की छवि भी खराब हुई है और आर्थिक नुकसान भी उठाना पड़ा है। इस डॉक्युमेंट्री को अमेरिका में नहीं प्रसारित किया गया था। अब अमेरिका में अभिव्यक्ति की आजादी वाले कानून से अपने मुद्दे को अलग करने के लिए ट्रंप को साबित करना होगा कि बीबीसी ने जो कुछ भी एडिट किया वह अपमानजनक था और दर्शकों में भ्रम फैलाने के लिए ही ऐसा किया गया था। बीबीसी कोर्ट में दावा कर सकता है कि उसने जो कुछ दिखाया वह सच था और जो कुछ भी एडिट किया गया है उससे जनता में कोई गलत संदेश नहीं गया है। डोनाल्ड ट्रंप ने न्यूयॉर्क टाइम्स और द वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ भी केस किया था। हालांकि दोनों ने किसी भी गलती से इनकार किया है।

बांग्लादेश में आम चुनाव से पहले बढ़ी चौकसी, गुप्त हमलों की आशंका से सतर्क हुआ चुनाव आयोग

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश में अगले साल फरवरी महीने में होने वाले आम चुनाव से पहले हालात तनावपूर्ण होते दिख रहे हैं। इसी बीच चुनाव आयोग (ईसी) ने पूरे देश में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी करने के आदेश दिए हैं। आयोग को आशंका है कि चुनाव प्रक्रिया को बाधित करने के लिए गुप्त और सुनियोजित हमले किए जा सकते हैं।

यह कदम उस घटना के बाद उठाया गया है, जिसमें छात्र आंदोलन से जुड़े नेता और कट्टर दक्षिणपंथी सांस्कृतिक संगठन 'इंकिलाब मंच' के प्रमुख शरीफ उस्मान हादी को राजधानी ढाका में चुनाव प्रचार के दौरान सिर में गोली मार दी गई। यह हमला चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के ठीक एक दिन बाद हुआ। मतदान 12 फरवरी को होना है। हादी की हालत बेहद गंभीर बताई जा रही है।

सरकार ने शुरू किया 'ऑपरेशन डेविल हंट-2 : अंतरिम सरकार ने उन्हें बेहतर इलाज के लिए एयर एम्बुलेंस से सिंगापुर भेजा है। सरकार ने आरोपियों की गिरफ्तारी में मदद करने वालों के लिए 50 लाख टका इनाम की घोषणा की है। रैपिड एक्शन बटालियन (आरएबी) ने मुख्य आरोपी की पत्नी, साले और एक महिला मित्र को गिरफ्तार किया है। इस बीच सरकार ने 'ऑपरेशन डेविल हंट-2' के तहत देशभर में सुरक्षा अभियान शुरू किया है। चुनाव उम्मीदवारों और अहम राजनीतिक हस्तियों को अस्थायी हथियार लाइसेंस देने और सशस्त्र सुरक्षा कर्मी रखने की अनुमति भी दी गई है। हसीना सरकार के पतन के बाद पहला चुनाव हालांकि मुख्य चुनाव आयुक्त एएमएम नासिर उद्दीन ने कानून-व्यवस्था के पूरी तरह बिगड़ने से इनकार करते हुए इन घटनाओं को छिटपुट बताया है। गौरतलब है कि यह चुनाव पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के अगस्त में हटने के बाद पहला आम चुनाव होगा। बदले राजनीतिक माहौल में बीएनपी को मजबूत दावेदार माना जा रहा है।

'रूस-यूक्रेन शांति समझौता के बहुत करीब', बर्लिन में बातचीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप का बड़ा दावा

वॉशिंगटन, एजेंसी। तीन साल से ज्यादा समय से चल रहे रूस और यूक्रेन संघर्ष इतने प्रयासों के बाद भी थमने का नाम नहीं ले रहा है। दोनों देशों के बीच हालात अभी भी तनावपूर्ण है। इसी बीच अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर इस संघर्ष के जल्द खत्म होने का दावा किया है। उन्होंने कहा कि रूस और यूक्रेन शांति समझौते को लेकर पहले से कहीं ज्यादा करबी आ चुके हैं। यह दावा उन्होंने अमेरिकी समयानुसार सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान की। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि बर्लिन में यूरोपीय नेताओं और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के साथ लंबी बातचीत के बाद हालात बेहतर होते दिख रहे हैं।

बता दें कि अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह बयान ऐसे समय आया है जब बर्लिन में अमेरिका, यूरोपीय देशों, नाटो के नेताओं और राष्ट्रपति जेलेंस्की के बीच कई घंटे तक बातचीत हुई। इन बैठकों में युद्ध को खत्म करने के तरीकों पर चर्चा की गई। मीडिया रिपोर्टस के अनुसार यूरोपीय देश यूक्रेन को पश्चिमी सुरक्षा गारंटी देने के लिए तैयार हैं। लेकिन किस इलाके पर किसका नियंत्रण रहेगा, यह मुद्दा अब भी सबसे बड़ी रुकावट बना हुआ है।

अमेरिका को मिल रहा यूरोप के कई देशों का साथ-ट्रंप : ट्रंप ने आगे कहा कि अमेरिका को यूरोप के कई देशों का पूरा समर्थन मिल रहा है, जो इस युद्ध को खत्म करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हम इसे जरूर पूरा करेंगे। मुझे लगता है कि अब यह संघर्ष खत्म होने के पहले से ज्यादा करीब हैं। ट्रंप ने देशों के नाम का जिक्र करते हुए कहा कि जर्मनी, इटली, फ्रांस, ब्रिटेन, पोलैंड, नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड और नीदरलैंड जैसे देश अमेरिका के साथ मिलकर युद्ध खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

इतना ही नहीं ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बातचीत होने की बात का भी दावा किया। उन्होंने कहा कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ कई बातचीत हुई हैं और सब मानते हैं कि हम समाधान के बहुत नजदीक हैं। हम बहुत सारी जिंदगियां बचाना चाहते हैं।

जयशंकर ने यूएई के शीर्ष नेतृत्व के साथ की बैठक, आर्थिक और रक्षा सहयोग पर हुई सार्थक चर्चा

अबू धाबी , एजेंसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने संयुक्त अरब अमीरात की शीर्ष नेतृत्व से मुलाकात कर भारत-यूएई संबंधों को और मजबूत करने की दिशा में अहम पहल की है। इन बैठकों में आर्थिक सहयोग, रक्षा साझेदारी और रणनीतिक संवाद को आगे बढ़ाने पर व्यापक चर्चा हुई। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और यूएई के रिश्ते तेजी से बहुआयामी रूप ले रहे हैं और क्षेत्रीय व वैश्विक स्तर पर दोनों देशों की भूमिका अहम मानी जा रही है।

विदेश मंत्री जयशंकर तीन दिन तक चले सिर बनी यास फोरम 2025 में हिस्सा लेने के बाद सोमवार को अबू धाबी पहुंचे। यहां उन्होंने यूएई के उप प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद अल नाहयान के साथ 16वीं संयुक्त आयोग बैठक और पांचवें रणनीतिक संवाद की सह-अध्यक्षता की। इस दौरान दोनों देशों के बीच सहयोग के मौजूदा ढांचे की समीक्षा की गई और भविष्य की प्राथमिकताओं पर सहमति बनी।

आर्थिक और रक्षा सहयोग पर जोर : जयशंकर ने यूएई के उपराष्ट्रपति शेख मंसूर बिन जायद बिन सुल्तान अल नाहयान से मुलाकात की। इस बैठक में आर्थिक सहयोग को गहरा करने और रक्षा क्षेत्र में साझेदारी बढ़ाने पर विशेष चर्चा हुई। विदेश मंत्री ने इसे बेहद उपयोगी बातचीत बताया और कहा कि दोनों देश आपसी विश्वास के आधार पर आगे बढ़ रहे हैं। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में सहयोग को क्षेत्रीय स्थिरता के लिए अहम माना गया।

निवेश और भू-आर्थिक हालात पर बातचीत : विदेश मंत्री जयशंकर ने मुबादला इन्वेस्टमेंट कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी खालदून खलीफा अल मुबारक से भी मुलाकात की। मुबादला अबू धाबी सरकार की प्रमुख संप्रभु निवेश कंपनी है। इस बातचीत में वैश्विक भू-आर्थिक स्थिति पर विचार साझा किए गए और भारत-यूएई आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की जरूरत पर जोर दिया गया। जयशंकर ने भारत में उभरते निवेश अवसरों की जानकारी भी दी।

रणनीतिक संवाद को मिली नई दिशा : भारत और यूएई के बीच हुए रणनीतिक संवाद में व्यापार, निवेश, ऊर्जा, तकनीक और रक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग को आगे बढ़ाने पर सहमति बनी। दोनों देशों ने माना कि मौजूदा वैश्विक हालात में एक-दूसरे के साथ तालमेल और मजबूत करना जरूरी है। यह संवाद भारत-यूएई व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और ठोस बनाने की दिशा में अहम कदम माना जा रहा है।

अगला पड़ाव इस्राइल यात्रा : यूएई दौरे के बाद विदेश मंत्री जयशंकर मंगलवार को इस्राइल की यात्रा पर जाएंगे। वहां वे अपने समकक्ष गिडिओन सआर के साथ द्विपक्षीय बातचीत करेंगे। इसके अलावा जयशंकर की इस्राइल के राष्ट्रपति आइजक हर्ज़ोग और प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से भी मुलाकात तय है। इस्राइल दौरे में क्षेत्रीय सुरक्षा और द्विपक्षीय सहयोग के मुद्दों पर चर्चा होने की संभावना है। जयशंकर का यह दौरा भारत की सक्रिय और संतुलित विदेश नीति को दर्शाता है। यूएई जैसे अहम साझेदार के साथ रिश्तों को और मजबूत करना भारत की प्राथमिकता है। आर्थिक निवेश से लेकर रक्षा सहयोग और रणनीतिक संवाद तक, यह यात्रा भारत की वैश्विक भूमिका को और सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

आईसीसी रैंकिंग में वरुण चक्रवर्ती ने रचा इतिहास, टी20आई क्रिकेट में यह रिकॉर्ड बनाने वाले बने पहले भारतीय गेंदबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय मिस्ट्री स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने आईसीसी पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाज रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली है और अपने करियर की नई उच्चतम रेटिंग हासिल कर ली है। आईसीसी की वेबसाइट के अनुसार, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ चल रही पांच मैचों की घरेलू टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में लगातार तीसरी बार दो विकेट लेने के बाद भारतीय गेंदबाज ने 818 अंकों का अपना व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाया है। दाएं हाथ के लेग स्पिनर ने श्रृंखला के पहले तीन मैचों में छह विकेट लिए हैं, जिनमें धर्मशाला में खेले गए तीसरे भारत-दक्षिण अफ्रीका टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में चार ओवरों में 2/11 के उनके प्रभावशाली आंकड़े शामिल हैं, जिन्होंने भारत की सात विकेट की शानदार जीत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 818 रेटिंग अंकों के साथ, चक्रवर्ती अब दूसरे स्थान पर मौजूद न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी (699) से 119 अंकों की बड़ी बढ़त पर हैं।

34 वर्षीय चक्रवर्ती टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में सर्वकालिक शीर्ष 10 में भी शामिल हो गए हैं। यह खबर भारत के लिए समय पर आई है, क्योंकि वेस्ट इंडीज में पिछले साल जीती गई आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप की उपाधि का बचाव करने में दो महीने से भी कम समय बचा है। चक्रवर्ती से उम्मीद की जा रही है कि वे लगातार दूसरी बार खिताब जीतने की दौड़ में अहम भूमिका निभाएंगे। भारत के लिए एक और अच्छी खबर यह है कि बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सीरीज के तीसरे मैच में प्लेयर ऑफ द मैच का खिताब जीतने के बाद टी20 अंतरराष्ट्रीय गेंदबाजी रैंकिंग में चार पायदान ऊपर चढ़कर 16वां स्थान हासिल कर लिया है। वहीं, दक्षिण अफ्रीका की रैंकिंग में भी कई सुधार देखने को मिले हैं। मार्को जानसेन 14 पायदान ऊपर चढ़कर 25वें स्थान पर, लुंगी एनगिडी 11 पायदान ऊपर चढ़कर 44वें स्थान पर और ओटनेल बार्टमैन शीर्ष 100 से बाहर से छलांग लगाकर 68वें स्थान पर पहुंच गए हैं। अब आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के दो बल्लेबाज शीर्ष पांच में शामिल हैं। तिलक वर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ तीन शानदार पारियों के बाद दो पायदान ऊपर चढ़कर चौथा स्थान हासिल कर लिया है। उनके साथी खिलाड़ी अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी आरामदायक बढ़त बनाए हुए हैं, वहीं दक्षिण अफ्रीका के एडन मार्कराम और क्विंटन डी कॉक ने भी उल्लेखनीय प्रगति की है। मार्कराम आठ पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर पहुंच गए हैं, जबकि डी कॉक हाल के कुछ उत्साहजनक प्रदर्शनों के बाद 14 पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर आ गए हैं।

'मुझे नई जिंदगी देने के लिए सीएसके का बहुत-बहुत धन्यवाद', आईपीएल ऑक्शन में चुने जाने के बाद पहली बार बोले सरफराज

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज सरफराज खान ने कहा है कि पांच बार की आईपीएल चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स (सीएसके) की वजह से उन्हें 'नई जिंदगी' मिली है क्योंकि टीम ने उन्हें अबुधाबी में हुई खिलाड़ियों की नीलामी में 75 लाख रुपए के आधार मूल्य पर खरीदा है। मंगलवार को नीलामी से कुछ घंटे पहले सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच में 22 गेंद में 73 रन बनाने वाले 28 साल के सरफराज के लिए पहले दौर में किसी ने बोली नहीं लगाई लेकिन बाद में सुपरकिंग्स ने उन्हें खरीद लिया।

मुंबई के बल्लेबाज सरफराज ने अपने इंस्टाग्राम पेज पर लिखा, 'मुझे नई जिंदगी देने के लिए ष्ट्स्च् का बहुत-बहुत धन्यवाद। मैं यह सुनिश्चित करूंगा कि सीएसके 2026 का खिताब जीते।' मध्यक्रम के इस आक्रामक बल्लेबाज ने पिछली बार 2023 में दिल्ली कैपिटल्स के लिए सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ आईपीएल मैच खेला था। इसके बाद के दो सत्र में उन्हें कोई खरीदार नहीं मिला।

सरफराज का अंतरराष्ट्रीय करियर भी अभी मुश्किल में है क्योंकि घरेलू क्रिकेट में अच्छे प्रदर्शन के बावजूद उन्हें किसी भी प्रारूप में भारतीय टीम में जगह नहीं मिली। वह अतीत में आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और दिल्ली कैपिटल्स के लिए भी खेल चुके हैं। सरफराज ने 2015 में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए आईपीएल में पदार्पण किया था।

यह दाएं हाथ का बल्लेबाज इस साल सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में शानदार फॉर्म में रहा है जिसमें उन्होंने 82.25 की औसत और 204.34 के स्ट्राइक रेट से 329 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक भी शामिल है। सरफराज ने भारत के लिए छह टेस्ट मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 37.10 की औसत और 74.94 के स्ट्राइक रेट से 371 रन बनाए हैं जिसमें उनका उच्चतम स्कोर 150 है।

आईपीएल में सबसे महंगे बिके कैमरून ग्रीन एशेज में शून्य पर आउट हुए

एडीलेड (एजेंसी)। आईपीएल नीलामी में सबसे महंगे बिके ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर कैमरून ग्रीन एशेज सीरीज के तीसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में खाता भी नहीं खोल पाये। ग्रीन को इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अपने शिकार बनाया। तीसरे टेस्ट में टॉस जीतकर ऑस्ट्रेलिया ने बल्लेबाजी शुरु की पर उसके बल्लेबाज विफल रहे। पहली पारी में बल्लेबाजी करते हुए ग्रीन केवल दो गेंद ही खेल पाये थे कि आर्चर की गेंद पर कैच हो गये। इस प्रकार ग्रीन का शून्य पर आउट होना प्रशंसकों के बीच चर्चा का मामला बन गया। आईपीएल नीलामी में मोटी रकम पाने के बाद प्रशंसकों को उनसे बड़ी पारी की उम्मीद थी, इसी कारण उन्हें अधिक निराशा हुई।

ग्रीन को गत दिवस हुई नीलामी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 25.20 करोड़ रुपये में खरीदा था। ग्रीन को लेकर केकेआर और चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) में जमकर बोली लगी थी। सीएसके ने 25 करोड़ रुपये तक बोली लगाई थी पर अंत में केकेआर को सफलता मिली। केकेआर ने नीलामी के बाद एक वीडियो भी जारी किया। इसमें ग्रीन ने कहा, 'मैं इस साल आईपीएल में कोलकाता का हिस्सा बनने के लिए बहुत उत्साहित हूं, ईडन गार्डन्स में खेलने का मुझे बेसब्री से इंतजार है। वहां के माहौल में ढलने का और उम्मीद है कि यह साल हमारे लिए बेहतरीन रहेगा।'

ग्रीन के टीम में आने से केकेआर की टीम को एक बेहतरीन ऑलराउंडर मिला है। इसका कारण है कि ग्रीन गेंद और बल्ले दोनो से ही बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम हैं। इस ऑलराउंडर ने साल 2023 और 2024 के आईपीएल सत्र में मुंबई इंडियंस (एमआई) और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के लिए खेलते हुए 29 मैचों में 41.58 की औसत से 707 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने एक शतक और दो अर्धशतक लगाये और उनका स्ट्राइक रेट 153 से ज्यादा रहा। वहीं 16 विकेट भी लिए।

आईपीएल 2026: सीएसके फैंस के लिए झटका, धोनी के संन्यास पर पूर्व खिलाड़ी का बड़ा संकेत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व सीएसके बल्लेबाज रॉबिन उथप्पा का मानना है कि एमएस धोनी के आईपीएल करियर को लेकर अब स्थिति काफी हद तक साफ हो चुकी है। उनके अनुसार, चेन्नई सुपर किंग्स पिछले कुछ सीजन से ट्रांजिशन मोड में है और यह प्रक्रिया अचानक नहीं, बल्कि धीरे-धीरे आगे बढ़ी है। उथप्पा ने कहा कि टीम का मौजूदा संतुलन और फैसले साफ संकेत देते हैं कि अब धोनी के लिए आगे बढ़ने का सही समय आ गया है।

कप्तानी की जिम्मेदारी रुतुराज की ओर

उथप्पा ने यह भी बताया कि जब से कप्तानी दोबारा धोनी के हाथ में आई, तब से हर सीजन नेतृत्व की जिम्मेदारियां रुतुराज गायकवाड़ की ओर शिफ्ट होती दिखीं। टीम मैनेजमेंट ने रुतुराज को लंबे समय का कप्तान मानते हुए धीरे-धीरे फैसलों में शामिल करना शुरू किया। इससे साफ है कि सीएसके भविष्य को ध्यान में रखकर नेतृत्व परिवर्तन की तैयारी कर चुकी है।

संजू सैमसन की एंट्री और उत्तराधिकार योजना

आईपीएल 2026 से पहले संजू सैमसन को ट्रेड कर सीएसके में लाना भी इसी सोच का हिस्सा माना जा रहा है। उथप्पा के मुताबिक, सैमसन न सिर्फ टॉप ऑर्डर को मजबूती देंगे, बल्कि धोनी के बाद विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभालने के लिए भी एक मजबूत विकल्प हैं। यह फैसला बताता है कि टीम धोनी के बाद की संरचना पर गंभीरता से काम कर रही है।

युवाओं पर भरोसा, भविष्य की नींव

सीएसके ने आईपीएल 2026 मिनी ऑक्शन में युवाओं पर बड़ा दांव खेला। अनकैप्ड खिलाड़ियों प्रशांत वीर और कार्तिक शर्मा पर भारी रकम खर्च कर टीम ने साफ कर दिया कि वह आने वाले वर्षों के लिए मजबूत कोर तैयार करना चाहती है। इसके अलावा नूर अहमद और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे युवा

खिलाड़ियों पर भरोसा भी इसी रणनीति का हिस्सा है।

मेंटर के रूप में धोनी की संभावित भूमिका

उथप्पा का मानना है कि भले ही धोनी मैदान से दूरी बना लें, लेकिन उनका सीएसके से जुड़ाव खत्म नहीं होगा। उन्होंने संकेत दिए कि धोनी भविष्य में मेंटर-कम-प्लेयर या केवल मेंटर की भूमिका में टीम के साथ रह सकते हैं। इससे सीएसके को अनुभव और मार्गदर्शन मिलता रहेगा, जबकि टीम नई पीढ़ी के साथ आगे बढ़ती रहेगी।

शुभमन गिल की सीधी गेंदों को ना खेल पाने की कमजोरी चिंता का सबब : संजय बांगड़

नई दिल्ली। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच संजय बांगड़ ने बुधवार को कहा कि सीधी गेंदों को नहीं खेल पाने की शुभमन गिल की कमजोरी चिंता का सबब है। गिल दक्षिण

अफ्रीका के खिलाफ टी20 श्रृंखला के तीन मैचों में 32 रन ही बना सके हैं। जियोस्टार पर गेम प्लान कार्यक्रम में बांगड़ ने कहा कि आफ स्टम्प से बाहर जाती गेंदों पर गिल सहज लग रहे हैं लेकिन सीधी गेंदों को नहीं खेल पा रहे हैं। बांगड़ ने कहा, 'शुरूआत में उसका फुटवर्क काफी सकारात्मक था लेकिन 28 से ज्यादा मैचों में अगर तीन या चार बाउंड्री निकाल दें तो सीधी गेंदों को वह नहीं खेल पा रहा है। सीधी गेंदों के सामने उसका स्ट्राइक रेट बहुत खराब है।' उन्होंने युवा सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा की तारीफ करते हुए कहा, 'वह काफी आक्रामक सोच के साथ खेलता है। उसमें गेंद को पीटने की क्षमता है, खासकर कवर्स के ऊपर से जो खास कौशल है।' बांगड़ ने हार्दिक पंड्या के हरफनमौला योगदान की भी तारीफ की। उन्होंने कहा, 'पंड्या के हरफनमौला प्रदर्शन से टीम को संतुलन मिलता है।'

अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी : अशोक शर्मा बने सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाज

नई दिल्ली । राजस्थान की टीम के तेज गेंदबाज अशोक शर्मा ने मुम्बई के खिलाफ मैच में अथर्व अंकोलेकर का विकेट लेने के साथ ही एक नया रिकार्ड अपने नाम किया है। इसी के साथ ही अशोक सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के एक सत्र में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए हैं। अशोक के अब 22 विकेट हो गये हैं और उन्होंने बड़ौदा के लुकमान मेरीवाला का 21 विकेटों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। अशोक ने जैसे ही 22 वां विकेट लिया। वैसे ही उनके विकेटों की संख्या इस सत्र में सबसे अधिक 22 पहुंच गई। इससे ज्यादा विकेट किसी भी गेंदबाज ने इस टूर्नामेंट के करीब 20 साल के इतिहास में नहीं लिए थे। इससे पहले ये रिकार्ड 21 विकेट के साथह ही बड़ौदा के तेज गेंदबाज लुकमान मेरीवाला के नाम था। मेरीवाला ने साल 2013-14 की सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में घातक गेंदबाजी की थी और कुल 21 विकेट निकाले थे। वहीं अब वह दूसरे स्थान पर फिसल गए हैं। 10 मैचों में अशोक ने 22 विकेट निकाले हैं। दो बार उन्होंने 4 विकेट भी लिए हैं। वहीं दूसरे नंबर पर चल रहे अंशुल कंबोज ने 10 मैचों में 20 विकेट लिए हैं।

पंजाब किंग्स ने इन चार खिलाड़ियों को टीम से जोड़ा, कप्तान श्रेयस अय्यर ने कह दी ये बड़ी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 की मिनी नीलामी में चार महत्वपूर्ण खिलाड़ियों को खरीदकर आगामी सीजन के लिए अपनी 25 सदस्यीय टीम पूरी कर ली है। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, नीलामी में पीबीकेएस ने दो अनकैप्ड और दो कैप्ड खिलाड़ियों को अपने साथ जोड़ा। ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज बेन ड्वार्शियस टीम के सबसे महंगे खिलाड़ी रहे। किंग्स ने ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर कूपर कॉनॉली को 3 करोड़ रुपये में खरीदकर अपने खाते की शुरुआत की। मध्य क्रम में लचीलापन प्रदान करने में सक्षम उभरते सितारे कॉनॉली एक विश्वसनीय धीमी गति की बाएं हाथ की स्पिन गेंदबाजी का विकल्प भी प्रदान करते हैं।

कॉनॉली को टीम में शामिल करने के पीछे की सोच के बारे में बात करते हुए, कप्तान श्रेयस अय्यर, जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया

में उनका सामना किया है, ने कहा: 'सच कहूं तो, शुरुआत में वह हमारे दिमाग में नहीं थे, लेकिन जैसे-जैसे हमने विचार-विमर्श किया और विकल्पों को सीमित किया, हमें एहसास हुआ कि वह इस पोजीशन के लिए बिल्कुल सही हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'उनका स्वभाव शानदार है और उनमें मैच को फिनिश करने की क्षमता है। आईपीएल में ये खूबियां बहुत मायने रखती हैं। हालांकि, हमने सोचा नहीं था कि हम उन्हें 3 करोड़ में खरीद पाएंगे, हमने तो उनकी कीमत इससे कहीं ज्यादा होने का अनुमान लगाया था।'

इसके तुरंत बाद, नीलामी में टीम की सबसे ऊंची बोली लगी, जब बेन ड्वार्शियस को 4.40 करोड़ रुपये में खरीदा गया। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज और निचले क्रम के उपयोगी स्ट्राइकर ड्वार्शियस गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती देते हैं और डेथ ओवरों में घातक पावर-हिटिंग का विकल्प प्रदान करते हैं। प्रवीण दुबे को उनकी बेस प्राइस 1 लाख रुपये में फिर से टीम में शामिल किया गया और वह किंग्स की टीम में लौट आए। दुबे युजवेंद्र चहल और हरप्रीत बराड़ की मौजूदा जोड़ी के पूरक के रूप में भारतीय स्पिन गेंदबाजी का महत्वपूर्ण बैकअप प्रदान करते हैं।

घरेलू टीम को और मजबूत करने के लिए, होनहार युवा प्रतिभा विशाल निषाद पीबीकेएस टीम में शामिल हो गए हैं और उन्हें 30 लाख रुपये की उनकी बेस प्राइस पर साइन किया गया है। किंग्स ने 11.5 करोड़ रुपये के बजट के साथ नीलामी में प्रवेश किया, जिसमें से उन्होंने 8 करोड़ रुपये खर्च कर दिए और दो विदेशी और दो भारतीय खिलाड़ियों को खरीद लिया।

मसूद नहीं संभालेंगे कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स पद

कराची। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के दिये कंसल्टेंट इंटरनेशनल और प्लेयर्स अफेयर्स के पद को ठुकरा दिया है। मसूद को पीसीसी ने इस पद का प्रस्ताव दिया था पर वह इसे संभालने के लिए तैयार नहीं हैं। मसूद के अनुसार इससे वह राष्ट्रीय टीम के प्रति अपनी जिम्मेदारी ठीक से नहीं निभा सकेंगे।

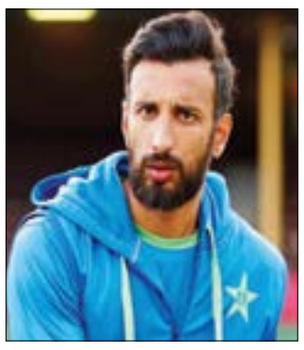

पिछले माह पीसीबी ने मसूद को यह पद इस आश्वासन के साथ दिया था कि क्रिकेट से संन्यास के बाद उन्हें डायरेक्टर का स्थायी पद मिलेगा। यह पहली बार है जब किसी मौजूदा टेस्ट कप्तान को पीसीबी ने इस प्रकार का प्रस्तान दिया है। वहीं कहा गया कि मसूद अपनी उच्च शिक्षा और प्रबंधन के क्षेत्र में जानकारी के कारण दोनों जिम्मेदारियों को साथ में निभा सकेंगे। वहीं मसूद ने काफी विचार के बाद पीसीबी प्रमुख मोहसिन नकवी को बताया कि वह दोनों जिम्मेदारियों को ठीक से नहीं निभा सकेंगे। शान ने बताया कि साल 2026 और 2027 में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप को देखते हुए पाक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, और वह अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहते हैं और टीम को विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में पहुंचाना चाहते हैं। मसूद ने नकवी से अनुरोध किया है कि उन्हें अपनी क्रिकेट जिम्मेदारियों पर ध्यान देने दिया जाए। साथ ही कहा कि वह क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद पीसीबी के साथ काम करने के लिए तैयार रहेंगे। पीसीबी ने मसूद के इंकार के बाद वर्तमान स्टाफ को ही मामलों को संभालने को कहा है। ऐसे में तय है कि एशिया कप के दौरान डायरेक्टर इंटरनेशनल क्रिकेट अफेयर्स के पद से निलंबित उस्मान वाहला को एक बार फिर बहाल किया जा सकता है।

आईपीएल में अवसर नहीं मिलने पर अन्य जगह संभावनएं तलाशेंगे मैट शॉर्ट

सिडनी । ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज और ऑलराउंडर मैट शॉर्ट ने कहा है कि अगर उन्हें आईपीएल में अवसर मिलता है तो वह खेलने के लिए पूरी तरह सो तैयार हैं पर अगर उन्हें अवसर नहीं मिलता तो वह अन्य लीग्स में खेलने पर ध्यान देंगे। पंजाब किंग्स के लिए 2023 में खेलते हुए शॉर्ट ने अपनी क्षमता साबित नहीं कर पाए इसी कारण अगली नीलामी में किसी फ्रेंचाइजी ने उन्हें नहीं चुना था। मैट शॉर्ट को 2023 में जॉनी बेयरस्टो की चोट के कारण रिप्लेसमेंट प्लेयर के रूप में पंजाब किंग्स में शामिल किया गया था। छह मैचों में खेलने के बावजूद उन्होंने कोई अर्धशतक नहीं बनाया और 19.50 की औसत के साथ कुल 117 रन ही जोड़ पाए। शॉर्ट ने माना कि लीग की प्रतिष्ठा के कारण तब वह दबाव ने उन्हें प्रभावित किया। शॉर्ट ने बताया, शायद मैं थोड़े जल्दी में आईपीएल में आया था। यह मेरा पहला विदेशी टूर्नामेंट था, सीधे आईपीएलमें खेलना बड़ा अनुभव था। वहीं कहा कि इस बार अवसर मिला तो वह खेलने के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। शॉर्ट ने अपने खेल के मानसिक पक्ष पर भी काम किया है। डेविड रीड की मदद से उन्होंने ध्यान केंद्रित करना का भी अभ्यास किया है। उनके पास बिग बैश और दुनिया भर की अन्य प्रतियोगिताओं का अनुभव है। इससे मुझे दबाव को संभालने और विभिन्न परिस्थितियों में खेलने का आत्मविश्वास मिला है। अब अगर चुना गया, तो मैं पूरी तरह तैयार रहूंगा। शॉर्ट ने कहा कि यदि उन्हें अवसर नहीं मिलता है तो वह आगे के अवसरों की तलाश में हैं। उन्होंने कहा कि अगर एक चीज़ नहीं होती, तो हम कुछ और खोज लेंगे। मैं ऑक्शन को देखूंगा और फिर परिणाम का इंतजार करूंगा।

आईपीएल और पीएसएल कार्यक्रम टकराया

मुम्बई । साल 2026 में होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पाकिस्तान क्रिकेट लीग (पीएसएल) से तारीखें टकरा रही हैं। इसका कारण है कि आईपीएल 26 मार्च से मई अंत तक खेला जाएगा। वहीं पाक क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भी 11वां सत्र अगले साल 26 मार्च से तीन मई तक रखा है। य पहली बार नहीं है जब पीसीबी ने इस प्रकार की तारीखें घोषित की है। पहले भी पीएसएल की तारीखें आईपीएल से टकराती रही हैं। ये लगातार दूसरी बार है जब यह आईपीएल के साथ ही पीएसएल भी खेला जाएगा। इससे उन खिलाड़ियों को नुकसान होगा जो आईपीएल में अवसर न मिलने पर पीएसएल में खेलते हैं। पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने मार्च में पीएसएल के नये सत्र की घोषणा की है। आईपीएल भी इसी समय खेला जाएगा। नकवी ने कहा कि इस दौरान पाकिस्तान टीम के अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम में बदलाव किया जायेगा। पाकिस्तान को मार्च अप्रैल में बांग्लादेश में दो टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मैच खेलने हैं। इस साल भारत और श्रीलंका में फरवरी मार्च में टी20 विश्व कप भी होना है, जो कि मार्च के पहले सप्ताह तक चलने वाला है। ऐसे में पीसीबी को अपनी ही टीम के कार्यक्रम को अब पीएसएल 2026 की वजह से आगे करना है। मार्च और मई में पीएसएल का आयोजन होगा तो निश्चित तौर पर पाकिस्तान और बांग्लादेश सीरीज मई के अंत में शुरू होगी। हालांकि, बांग्लादेश का शेड्यूल कैसा है? ये भी सोचना होगा, क्योंकि तीनों फॉर्मेट की सीरीज को आगे खिसकना बहुत ज्यादा कठिन होगा। हो सकता है कि सीरीज को छोटा किया जाए, क्योंकि बांग्लादेश की टीम को न्यूजीलैंड भी जाना है। अब देखना ये है कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज को कैसे समायोजित करता है। हालांकि, एक बाद है कि क्रिकेट प्रशंसकों को लगातार मैच देखने को मिलेंगे।

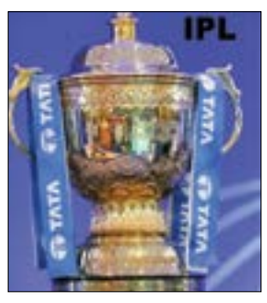

फ्रांस के डेम्बेले और स्पेन की बोनमाटी ने जीता फीफा प्लेयर ऑफ द ईयर का पुरस्कार

दोहा (एजेंसी)। स्पेन की आइताना बोनमाटी और फ्रांस के उस्मान डेम्बेले को क्रमशः महिला और पुरुष वर्ग के फीफा के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाजा गया। मंगलवार रात यहां आयोजित एक विशेष समारोह में इन खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। 28 वर्षीय डेम्बेले पीएसजी की ऐतिहासिक पहली चैंपियंस लीग जीत में अहम भूमिका निभाने वाले खिलाड़ियों में शामिल रहे।

फाइनल मुकाबले में पीएसजी ने इंटर मिलान को 5-0 से हराया। डेम्बेले ने पिछले सीजन सभी प्रतियोगिताओं में कुल 35 गोल किये जिनमें से 21 गोल लीग-वन में थे और वह टूर्नामेंट के टॉप स्कोरर भी रहे। वहीं, बार्सिलोना की मिडफील्डर को क्लब और देश के लिए एक और शानदार साल के बाद द बेस्ट फीफा महिला खिलाड़ी चुना गया और वह लगातार तीन खिताब जीतने वाली पहली महिला फुटबॉलर बन गईं।

बोनमाटी ने चैंपियंस लीग प्लेयर ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता। इसके अलावा उन्होंने लगातार तीसरी बार विमेंस बैलन डी'ओर पुरस्कार भी हासिल किया। बोनमती की अगुवाई में बार्सिलोना ने घरेलू स्तर पर ट्रेबल जीता, जबकि स्पेन के साथ उन्होंने चैंपियंस लीग फाइनल और यूरो 2025 फाइनल तक का सफर तय किया।

पुरस्कार के बाद बोनमाटी ने कहा, 'मैं अपना तीसरा फीफा द बेस्ट अवॉर्ड जीतने के लिए बहुत आभारी और गर्व महसूस कर रही हूं। मैं उन सभी लोगों की बहुत आभारी हूं जिन्होंने मेरे लिए वोट किया, खिलाड़ी, कोच और प्रशंसक। मेरे लिए सबसे अच्छी बात यह है कि जो खिलाड़ी मेरी तरह फुटबॉल खेलते हैं या जिन कोचों के खिलाफ मैं खेलती हूं, उन्होंने मुझे फीफा द बेस्ट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना। यह सबसे अच्छी बात है जो मैं कह सकती हूं।'

उस्मान डेम्बेले ने कहा, 'सबसे पहले, मैं अपने सभी टीम के साथियों को धन्यवाद देना चाहता हूं, यह साबित होता है कि कड़ी मेहनत रंग लाती है। यह मेरे लिए, व्यक्तिगत रूप से और एक टीम के रूप में, एक शानदार साल रहा है। मैं अपने परिवार को भी धन्यवाद देना चाहता हूं। उन्होंने कहा मुझे हमेशा मेरे जन्मदिन पर आपसे एक छोटा सा मैसेज मिलता है, जिससे मुझे हमेशा खुशी होती है। मुझे उम्मीद है कि अगले साल मैं फिर से यहां आऊंगा।'

इंग्लैंड को लगातार दूसरा यूइइए विमेंस यूरो खिताब दिलाने के बाद सरीना विगमैन को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा महिला कोच चुना गया। लुइस एनरिक को 2025 के लिए सर्वश्रेष्ठ फीफा पुरुष कोच चुना गया।

सीरीज सिंगल पापा को हां करने के लिए मेरे पास दो कारण थे

नेटफ्लिक्स की नई कॉमेडी सीरीज सिंगल पापा खूब चर्चा बटोर रहा है। शो से जुड़ी अभिनेत्री आयशा अहमद ने अपने अनुभव साझा किए हैं। सीरीज में वह महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। उन्होंने बताया कि यह शो उनके करियर का अहम प्रोजेक्ट है। व्यक्तिगत रूप से उनके लिए शूटिंग का अनुभव बेहद खास रहा। आयशा अहमद ने कहा, जब मुझे पहली बार डायरेक्टर शशांक की टीम ने मीटिंग के लिए बुलाया, तो इस दौरान बातचीत का अनुभव काफी अच्छा रहा। शशांक के साथ पहली मुलाकात इतनी दिलचस्प रही कि वह लंबे समय तक मेरे दिमाग में बनी रही। कुछ समय बाद जब मैं काम के सिलसिले में ट्रैवल कर रही थी, तभी मेरे पास सिंगल पापा सीरीज के लिए कॉल आया। मैंने बिना समय लगाए तुरंत हां कर दी। उन्होंने कहा, मेरे शो को हां कहने के पीछे दो कारण थे- एक तरफ शो को शशांक जैसे डायरेक्टर बना रहे थे और दूसरी तरफ मेरे साथ कुणाल खेमू स्क्रीन साझा करने वाले थे। मैं उनकी काफी लंबे समय से फैन हूं। आयशा ने कहा, मेरे लिए कुणाल खेमू के साथ काम करना अपने आप में एक यादगार अनुभव है। वह सेट पर हल्का-फुल्का और मजेदार माहौल बनाकर रखते थे। वह सभी कलाकारों को सपोर्ट करते हैं और हर सीन में ऐसी ऊर्जा लेकर आते थे कि बाकी कलाकारों का काम और भी आसान हो जाता है। आयशा ने बताया कि उनके साथ शूटिंग इतनी सहज रही कि सब कुछ अपने आप सही समय पर होता चला गया। इस वजह से यह प्रोजेक्ट मेरे लिए और भी खास बन गया। सीरीज सिंगल पापा नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है। शो में मनोज पाहवा, कुणाल खेमू, दयानंद शेट्टी, प्राजक्ता कोली, नेहा धूपिया और आयशा रजा मिश्रा जैसे कई बेहतरीन कलाकार शामिल हैं। कहानी गौरव गहलोत नाम के एक ऐसे व्यक्ति की है, जो उम्र में बड़ा होने के बावजूद कई बार बच्चों जैसा व्यवहार करता है। तलाक के तुरंत बाद वह बच्चा गोद लेने का फैसला करता है। इस फैसले से पूरे परिवार में हड़कंप मच जाता है। सभी के मन में एक सवाल होता है- जो व्यक्ति अपनी रोजमर्रा की चीजें संभाल नहीं पाता, वह एक बच्चे की जिम्मेदारी कैसे निभाएगा? इस फैसले के बाद परिवार में हंगामा, उलझनें और हंसी-ठहाकों से भरा सफर शुरू होता है।

जया बच्चन की आलोचना के बाद हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर पर दिया रिएक्शन

पैपराजी के साथ जया बच्चन का रिश्ता अच्छा नहीं रहता है। बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी कल्चर को लेकर काफी नाराजगी जताई थी। साथ ही उन्होंने पैपराजी के कपड़ों और उनके रवैये को लेकर भी कड़ी आलोचना की थी। अब जया बच्चन की आलोचना के बाद अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने पैपराजी कल्चर को लेकर अपनी प्रतिक्रिया दी है। हुमा ने पैप्स कल्चर की चुनौतियों और महत्व दोनों को ही स्वीकार किया है।

फिल्म के प्रमोशन के लिए हम खुद पैपराजी बुलाते हैं

बातचीत के दौरान हुमा कुरैशी ने माना कि बेशक पैपराजी को एक सीमा बनानी चाहिए और उसका सम्मान करना चाहिए। लेकिन उन्होंने ये भी स्वीकार किया कि कई सेलेब्स पैपराजी को खुद ही बुलाते हैं और अपने फायदे के लिए इनका इस्तेमाल भी करते हैं। एक्ट्रेस ने कहा कि मुझे लगता है कि वे भी महत्वपूर्ण हैं। मैं झूठ नहीं बोलूंगी, लेकिन हम उनका इस्तेमाल तब करते हैं जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना होता है या अपने जीवन के किसी खास पहलू को लोगों के सामने लाना होता है। कई बार ऐसा हुआ है जब हमें अपनी फिल्मों का प्रचार करना था, इसलिए हमने उन्हें प्रीमियर में बुलाया। जब हम कहीं दिखना चाहते हैं, तो हम उन्हें बुलाते हैं। मैं सारा दोष उन पर नहीं डालना चाहती।

फोटोग्राफर के साथ मजबूत हुआ मेरा रिश्ता

पैप्स के साथ अपने रिश्ते पर हुमा ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में फोटोग्राफरों के साथ मेरा रिश्ता और भी मजबूत हो गया है। जब भी मेरी तबीयत ठीक नहीं होती या मैं फोटो नहीं खिंचवाना चाहतीं, तो मैं बस उनसे प्यार से कहती हूं कि मेरी तस्वीरें न लें, और वे आमतौर पर मेरी इच्छा का सम्मान करते हैं।

महिलाओं को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है

इस दौरान हुमा ने उन मुद्दों पर भी बात की जिनका सामना इंडस्ट्री में महिलाएं आमतौर पर करती हैं। जैसे कि गलत सवाल करना या फिर गलत एंगल से तस्वीरें लेना। हालांकि, एक्ट्रेस ने माना कि कुछ हद तक प्राइवेसी का उल्लंघन इस व्यवस्था का हिस्सा है, लेकिन सम्मान और सीमाएं बनाए रखना आवश्यक है। अगर आप मेरी प्राइवेसी में दखल देना चाहते हैं, तो आप ऐसे प्रश्न पूछेंगे जो मुझे उचित नहीं लगेंगे। एक सीमा होती है जिसे लोगों को पार नहीं करना चाहिए, लेकिन हम उसे पार कर जाते हैं। एक महिला और अभिनेत्री के रूप में मैंने यह सब अनुभव किया है।

जया बच्चन ने की थी पैपराजी के पहनावे और रवैया की आलोचना

हुमा की ये टिप्पणियां तब आई हैं, जब बीते दिनों जया बच्चन ने पैपराजी की कड़ी आलोचना की थी। एक इंटरव्यू में जया ने पैपराजी के पहनावे, उनके काम करने का तरीके और उनकी ट्रेनिंग पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि जो लोग सस्ते तंग पैंट पहनते हैं और हाथ में मोबाइल रखते हैं, क्या उन्हें लगता है कि सिर्फ फोन होने से वे आपकी तस्वीर खींच सकते हैं और जो चाहें कह सकते हैं। उनकी शिक्षा, उनका बैकग्राउंड कैसा है? वो आखिर हैं कौन?

नौ साल बाद लौटीं शिल्पा शिंदे

अभिनेत्री शिल्पा शिंदे वर्षों बाद सीरियल 'भाबी जी घर पर हैं' में वापस लौट आई हैं। एक्ट्रेस का प्रोमो भी रिलीज हो चुका है। वीडियो को देखने के बाद शो में आने वाले ट्विस्ट का एक हिंट जरूर मिल रहा है। 'बिग बॉस 11' की विजेता और टीवी अभिनेत्री शिल्पा शिंदे ने यूं तो कई टीवी शोज में काम किया है लेकिन 'भाबी जी घर पर हैं' की अंगूरी भाभी के तौर पर वो छा गईं। साल 2015 में शो की शुरुआत हुई थी लेकिन फिर एक साल बाद 2016 में विवादों के चलते उन्होंने शो को अलविदा कह दिया। अब करीब नौ वर्षों के बाद शिल्पा एक बार फिर शो में वापसी कर रही हैं। उनका कमबैक शो के नए सीजन 2.0 में होने जा रहा है। इससे जुड़ा प्रोमो भी मेकर्स की ओर से जारी कर दिया गया है। एंड टीवी का सुपरहिट कॉमेडी शो 'भाबी जी घर पर हैं' इन दिनों जबरदस्त चर्चा में है और इसकी सबसे बड़ी वजह है शिल्पा शिंदे की धमाकेदार वापसी। शो के नए सीजन में एक बार फिर शिल्पा नजर आने वाली हैं। इस बार वह दर्शकों के सामने बिल्कुल नए और रहस्यमयी अवतार में आई हैं, जिसने फैंस को चौंका दिया है। हाल ही में जारी किए गए प्रोमो ने सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। प्रोमो में अंगूरी भाभी, तिवारी, विभूति और अनीता भाभी एक अनजान गांव 'घूंघटगंज' की ओर जाते दिखाई देते हैं। गांव में कदम रखते ही चारों की नजर एक रहस्यमयी स्त्री की मूर्ति पर पड़ती है। तभी अचानक कुछ ऐसा होता है, जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। मूर्ति की साड़ी अंगूरी भाभी पर गिरती है और माहौल में सिहरन फैल जाती है। यहीं से कहानी ले लेती है खौफनाक मोड़।

'स्त्री' स्टाइल में लेंगी शो में एंट्री

इसके बाद अंगूरी भाभी के बर्ताव में अजीब बदलाव नजर आने लगता है। सबको लगता है कि उन पर किसी आत्मा का साया हो गया है। जब विभूति उन्हें प्यार से आवाज देता है, तो अंगूरी भाभी का जवाब सबको हैरान कर देता है। उनका अंदाज, उनकी चाल और संवाद, सब कुछ डरावना लेकिन बेहद दिलचस्प लगता है। साफ है कि शिल्पा शिंदे ने इस बार 'स्त्री' स्टाइल में शो में एंट्री लेकर कहानी में जान डाल दी है।

नौ वर्षों बाद शो में हुई वापसी

लंबे समय बाद शिल्पा शिंदे को एक बार फिर अंगूरी भाभी के रूप में देखकर फैंस भावुक भी हैं और उत्साहित भी। सोशल मीडिया पर लोग प्रोमो को बार-बार देख रहे हैं और कई लोगों ने अब तक कमेंट किया है।

नवाजुद्दीन स्टारर फिल्म फरार में दिखेगा मनी हाइस्ट जैसा फ्लेवर

नवाजुद्दीन सिद्दीकी हाल ही में थामा में नजर आए थे। इस भूमिका के लिए उन्हें खूब सराहना मिली। अब वह अपनी नई फिल्म फरार को लेकर चर्चा में हैं, जिसमें वह राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता कलाकार पार्थ भालेराव और त्रिशा थोसर के साथ दिखाई देंगे। फिल्म के निर्देशक और लेखक कुशाग्र शर्मा हैं। फरार को बड़े पैमाने पर तैयार किया जा रहा है। सिनेमैटोग्राफी, बैकग्राउंड म्यूजिक और विजुअल ट्रीटमेंट इंटरनेशनल फिल्मों की तरह भव्य रखा गया है। हॉलीवुड फिल्मों में काम कर चुके इलिया वोलोक इसमें अहम भूमिका निभा रहे हैं। वहीं, सुपरहिट स्पैनिश सीरीज मनी हाइस्ट के संगीतकार इवान लाकामारा पहली बार किसी हिंदी फिल्म के लिए बैकग्राउंड स्कोर तैयार कर रहे हैं। त्रिशा थोसर फिल्म में नवाज की बेटी बनी हैं। फरार में एक्शन को इंटरनेशनल लेवल पर डिजाइन करने के लिए केचा खम्पकदी भी जुड़े हैं। नवाज एक भौतिक विज्ञान के शिक्षक बने हैं, जबकि निमिषा सजयन उनकी पत्नी की भूमिका निभा रही हैं।

अभय वर्मा की फिल्म छूमंतर से बाहर हुईं अनन्या पांडे

अनन्या पांडे इन दिनों अपने फिल्मी लाइनअप को लेकर लगातार चर्चा में हैं। एक तरफ वह अपनी आगामी फिल्म तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी के प्रमोशन में जुटी हैं, जिसमें उनके साथ कार्तिक आर्यन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। दूसरी ओर, वह अमेजन प्राइम वीडियो की लोकप्रिय वेब सीरीज कॉल मी बे के दूसरे सीजन की तैयारी में भी व्यस्त हैं। इस बीच एक खबर है कि अनन्या आगामी फिल्म छूमंतर से बाहर हो गई हैं। फिल्म की टीम जनवरी 2026 से शूटिंग शुरू करने की योजना बना रही थी। सूत्र के मुताबिक... छूमंतर की शूटिंग का शेड्यूल कॉल मी बे 2 से टकरा रहा था, जिसकी शूटिंग हाल ही में शुरू हुई है। इसी वजह से अनन्या और फिल्म के निर्माताओं ने आपसी सहमति से अलग होने का फैसला किया। दोनों ने आगे किसी प्रोजेक्ट में साथ काम करने का वादा भी किया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या के बाहर होने के बाद अब कास्ट में दो नाम जानकी बोडीवाला (वश फेम) और श्रीलीला प्रमुखता से चर्चा में हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। अनन्या के बाद जानकी बोडीवाला और श्रीलीला का नाम चर्चा में है।

कपिल शर्मा को फिल्म के लिए मिले करोड़ों

कॉमेडी के बादशाह कपिल शर्मा एक बार फिर बड़े पर्दे पर वापसी कर चुके हैं अपनी नई फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के साथ। 2015 में रिलीज पहली फिल्म की धमाकेदार सफलता के बाद अब सीक्वल की रिलीज को लेकर दर्शकों में उत्साह देखने को मिल रहा है। लेकिन इस बार चर्चा केवल फिल्म की कहानी या इसके मनोरंजन की नहीं, बल्कि इसकी स्टारकास्ट की भारी-भरकम फीस की हो रही है। मेकर्स ने फिल्म को भव्य पैमाने पर बनाया है और इसके लिए सितारों को भी मोटी रकम दी गई है।

कपिल शर्मा

सीक्वल में भी कपिल शर्मा मुख्य भूमिका में नजर आएंगे और उनकी वापसी को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें बेहद बड़ी रकम ऑफर की। मनोरंजन जगत में अपनी लोकप्रियता और टीवी शो की सफलता के कारण कपिल की मार्केट वैल्यू पहले से कहीं अधिक बढ़ चुकी है। फिल्म के लिए उन्हें 2 से 3 करोड़ रुपये दिए गए, जो फिल्म के कुल बजट का बड़ा हिस्सा माना जा रहा है। यही वजह है कि उनकी फीस को लेकर सोशल मीडिया पर भी खूब चर्चाएं हो रही हैं।

त्रिधा चौधरी

वेब सीरीज और फिल्मों में अपनी पहचान बना चुकीं त्रिधा चौधरी पहली बार कपिल शर्मा के साथ स्क्रीन शेयर कर रही हैं। फिल्म में उनकी भूमिका को खास बताया जा रहा है और उनकी बढ़ती लोकप्रियता को देखते हुए मेकर्स ने उन्हें 40 से 60 लाख रुपये देने का फैसला किया है। यह फीस उनके करियर के हिसाब से अच्छी मानी जा रही है।

पारुल गुलाटी

सोशल मीडिया की चर्चित अभिनेत्री और 'गर्ल्स हॉस्टल' जैसी वेब सीरीज में अपनी छाप छोड़ चुकीं पारुल गुलाटी को भी इस फिल्म में महत्वपूर्ण किरदार मिला है। उन्हें भी त्रिधा के बराबर ही 40 से 60 लाख रुपये की रकम दी गई है। पारुल की बढ़ती ब्रांड वैल्यू ने उनके पैकेज को मजबूत किया है।

आयशा खान

टेलीविजन की दुनिया में अपनी अलग पहचान बना चुकीं आयशा खान भी फिल्म का हिस्सा हैं। हालांकि इस फिल्म के लिए उन्हें 15 से 30 लाख रुपये की राशि दी गई है, जो बाकी लीड एक्ट्रेसेज़ की तुलना में काफी कम है। लेकिन फिल्म में उनकी भूमिका छोटी नहीं बताई जा रही है, जिससे उम्मीद है कि यह प्रोजेक्ट उनके करियर में नई दिशा दे सकता है।

मनजोत सिंह

'फुकरे' फेम मनजोत सिंह भी इस बार एक अलग जोन में नजर आएंगे। उनके किरदार को मजबूत बताया जा रहा है और इसके लिए उन्हें 50 से 70 लाख रुपये की सैलरी दी गई है। मनजोत की कॉमिक टाइमिंग पहले ही दर्शकों के बीच लोकप्रिय है और इस फिल्म से उनकी मौजूदगी और मजबूत हो सकती है।

वरीना हुसैन

वरीना हुसैन लंबे समय बाद किसी बड़े प्रोजेक्ट से जुड़ रही हैं। मेकर्स ने उन्हें फिल्म के लिए 20 से 35 लाख रुपये ऑफर किए हैं। वरीना की स्क्रीन प्रेजेंस और उनकी पिछली फिल्मों की सफलता ने उन्हें इस फिल्म में खास जगह दिलाई है।

कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल ने महिला सभा का आयोजन कर महिला कल्याणकारी योजनाओं की दी जानकारी

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 दिसंबर। कचीगाम ग्राम पंचायत सरपंच फाल्गुनी पटेल द्वारा महिलाओं की सभा (महिला सम्मेलन) का आयोजन किया गया। इस सभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार तथा केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की महिलाओं के लिए लक्षित कल्याणकारी योजनाओं (जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, उज्ज्वला योजना, मुद्रा योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, महिला आत्मनिर्भर अभियान, सुकन्या समृद्धि योजना आदि) के बारे में महिलाओं को जागरूक किया गया और जानकारी प्रदान की गई। इस आयोजन का उद्देश्य स्थानीय स्तर पर ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं को प्रचारित करने का हैं, ताकि सरकार की योजनाओं का लाभ अधिक से अधिक महिलाओं तक पहुंचे और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिले। इस महिला सम्मेलन में जिला पंचायत सदस्य हंसाबेन धोडी, कचीगाम ग्राम पंचायत की महिला पंचायत सदस्य भी मौजूद रही।

डीआईए में आयोजित जागरुकता कार्यक्रम में बीआईएस के अधिकारियों ने उद्योगपतियों को दिया मार्गदर्शन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 दिसंबर। ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड्स (बीआईएस) सूरत और दमण इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (डीआईए) के सहयोग से 17 दिसंबर को सोमनाथ स्थित डीआईए हॉल में भारतीय मानक, गुणवत्ता नियंत्रण आदेश, सर्टिफिकेशन प्रक्रिया एवं अनुपालन पर उद्योगों के लिए जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस जागरूकता कार्यक्रम में बीआईएस सूरत शाखा कार्यालय के ज्वाइंट डायरेक्टर निखिल राज और स्टैंडर्ड प्रमोशन ऑफिसर विजय कुमार जरु ने उद्योगपतियों को विभिन्नि औद्योगिक उत्पादों पर लागू नवीनतम भारतीय मानक, भारत सरकार द्वारा जारी किए गए गुणवत्ता नियंत्रण आदेश (क्यूसीओएस), बीआईएस सर्टिफिकेशन प्रक्रिया, दस्तावेज़ीकरण और समय-सीमा, वैधानिक अनुपालन आवश्यकताएँ और गैर-अनुपालन के लिए दंड पर मार्गदर्शन दिया। यह जागरूकता कार्यक्रम उद्योगों को नियामक आवश्यकताओं को समझने, उत्पाद की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और भारत सरकार की 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' पहल के तहत अनिवार्य मानकों का पालन करने में मदद करेगा। इस कार्यक्रम में डीआईए प्रेसिडेंट पवन अग्रवाल सहित विभिन्न उद्योगों के प्रतिनिधि एवं उद्योगपति उपस्थित रहे।

डीआईए हॉल में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत सीजीडब्ल्यूए एनओसी पर जागरूकता सत्र और हेल्प डेस्क कैंप का आयोजन आज

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 दिसंबर। डीआईए हॉल में ईज ऑफ डूइंग बिजनेस के तहत सीजीडब्ल्यूए एनओसी पर जागरूकता सत्र और हेल्प डेस्क कैंप का आयोजन आज सुबह 11 बजे किया जायेगा। पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी (पीसीसी) दमण, सेंट्रल ग्राउंड वॉटर अथॉरिटी (सीजीडब्ल्यूए) अहमदाबाद के साथ मिलकर ईज़ ऑफ डूइंग बिजनेस पहल के तहत, CGWA NOC लेने के प्रोसेस के बारे में इंडस्ट्रीज़ के लिए एक अवेयरनेस सेशन और हेल्प डेस्क कैंप ऑर्गनाइज किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य CGWA एनओसी के लिए अप्लाई करने का प्रोसेस, एनओसी के लिए ज़रूरी डॉक्यूमेंट्स, कम्प्लायंस की ज़रूरतें और रिन्यूअल प्रोसेस, ऑनलाइन CGWA पोर्टल से जुड़े सवालों का हल करना शामिल हैं। इंडस्ट्री के प्रतिनिधियों से अनुरोध है कि वे इस सेशन में भाग लें और PCC और CGWA अधिकारियों द्वारा दी गई गाइडेंस से फ़ायदा उठाएँ।

दमण यूसीमास सेंटर की छात्रा रिद्धी शाह ने इंटरनेशनल लेवल यूसीमास अबेकस प्रतियोगिता में सेकंड रनर अप ट्रॉफी प्राप्त कर बढाया शहर एवं सेंटर का गौरव

■ दमण यूसीमास सेंटर की स्टूडेंट सोनल स्वप्निल चौधरी ने सिर्फ 10 साल की उम्र में अपनी सबसे तेज स्पीड और एक्यूरेसी के लिए इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में जगह बनाकर दमण यूसीमास सेंटर को किया गौरवान्वित ■ यूसीमास सेंटर हेड शुभांगी के साथ टीचर्स पूनम, सपना और श्रेया ने रिद्धि को चौबीसों घंटे सपोर्ट, टीचिंग, धैर्य और हिम्मत देने में पूरी कोशिश की

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दमण 17 दिसंबर। इस साल यूसीमास दमण सेंटर की छात्रा रिद्धि शाह ने 6 दिसंबर को जॉर्जिया में आयोजित हुई इंटरनेशनल लेवल यूसीमास अबेकस प्रतियोगिता में सेकंड रनर अप ट्रॉफी प्राप्त किया है। इस प्रतियोगिता में पूरी दुनिया से 1200 से ज़्यादा स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया था। इतने बड़े एजुकेशनल इवेंट में हिस्सा लेना ही अपने आप में एक हिम्मत की बात है। ऐसी जगह जहाँ का मौसम 6-7 डिग्री ठंडा था, किसी का भी दिमाग कुछ मिनटों के लिए ब्लैंक हो सकता है, फिर भी रिद्धि शाह ने 1000 से 1800 नंबरों के + - ÷ X 200 सवाल सिर्फ 8 मिनट में हल किए। यूसीमास सेंटर हेड शुभांगी के साथ टीचर्स पूनम, सपना और श्रेया ने रिद्धि को चौबीसों घंटे सपोर्ट, टीचिंग, धैर्य और हिम्मत देने में पूरी कोशिश की। यूसीमास दमण सेंटर के लिए एक और गर्व का पल यह है कि हमारी सबसे होशियार स्टूडेंट सोनल स्वप्निल चौधरी ने सिर्फ 10 साल की उम्र में अपनी सबसे तेज स्पीड और एक्यूरेसी के लिए इंडिया बुक ऑफ़ रिकॉर्ड्स में जगह बनाई है। नंबरों के प्रति उनका डेडिकेशन, फोकस और पैशन ने सच में एक्सीलेंस का एक बेंचमार्क सेट किया है। उनके डेडिकेशन के साथ-साथ उनके माता-पिता की कोशिशें भी थीं जिन्होंने जब भी मुमकिन हुआ, प्रैक्टिस करवाई। उन्होंने यह अवॉर्ड सालों की मेहनत के बाद हासिल किया है, जिसमें चैंपियन, ग्रुप चैंपियन, मॉड्यूल चैंपियन और भी बहुत सारे अवॉर्ड शामिल हैं। शुभांगी और दूसरे इंस्ट्रक्टर्स की ट्रेनिंग भी उनकी इस अचीवमेंट का एक ज़रूरी हिस्सा है। सभी स्टूडेंट्स और टीम सोनल को इस शानदार अचीवमेंट के लिए बधाई देते हैं क्योंकि उन्होंने पूरे दमण शहर, अपने स्कूल, यूसीमास दमण सेंटर और साथ ही यूसीमास इंडिया को गर्व महसूस कराया है।

दानह राज्य की बेस्ट 16 लडकियां पहली बार लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता में शामिल होने हुई नवसारी रवाना

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा 17 दिसंबर। सरदार वल्लभभाई पटेल क्रिकेट चैंपियनशिप 2025 आल इंडिया इंटर स्टेट अंडर-19 टी ट्वेंटी स्टेडियम ग्राउंड नवसारी में दिनांक 18 से 21 दिसम्बर तक चलने वाले इस क्रिकेट प्रतियोगिता में दादरा नगर हवेली सिलवासा की बेस्ट 16 महिला खिलाड़ी शामिल होने के लिए आज नवसारी के लिए रवाना हुई। दानह क्रिकेट टीम ने रित्वि पुजारी, सोनी यादव, सिद्धि दुबे, आंचल कनोजिया, रिमझिम सिंह, सृष्टि गोरके, दीपाली मिश्रा, जानवी गोस्वामी, निशा आग्री, द्दष्टि पटेल, सोनू पारीक, रागिनी सिंह, संध्या वरठा, रितिका सिंह, कप्तान संगीता यादव एवं उपकप्तान सपना गुप्ता के साथ टीम कोच दीपक गिरी गोस्वामी, सचिव सुधांशु शेखर सम्मिलित रहेंगे। जिसमें दानह राज्य की बेस्ट 16 लडकियां पहली बार लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता नवसारी के लिए रवाना हुई हैं। सिलवासा नगरपालिका मुख्य अधिकारी संग्राम सिंदे ने सभी महिला खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं एवं दादरा नगर हवेली और दमण एवं दीव का नाम रोशन करने की आशा जताई। इस आल इंडिया इंटर स्टेट अंडर 19 टी ट्वेंटी स्टेडियम ग्राउंड नवसारी में पूरे भारत वर्ष की कुल 6 राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक एवं दादरा नगर हवेली की टीम हिस्सा लेगी।

दीव के महारानी लक्ष्मीबाई ग्राम पंचायत ने सबकी योजना सबका साथ जीपीडीपी-26-27 के अंतर्गत ग्रामसभा का किया आयोजन

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, दीव 17 दिसंबर। दीव के वणाकबारा में महारानी लक्ष्मीबाई ग्राम पंचायत के हॉल में एक ग्राम सभा का आयोजन किया गया। इस ग्रामसभा में सबकी योजना सबका विकास के अंतर्गत ग्राम पंचायत विकास योजना जीपीडीपी वर्ष 2026-27 की कार्य योजना, वर्ष भर में ग्राम पंचायत की आय-व्यय, ग्राम पंचायत की आगामी योजनाओं के बारे में बहुत सारी जानकारी दी गई। साथ ही दीव के विभिन्न सरकारी विभागों द्वारा लोगों को उपलब्ध सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गई, जिसमें स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और उसकी योजनाएं, बैंकों में लोगों के लिए उपलब्ध योजनाएं, टोरेंट पावर के कर्मचारियों ने सोलर का उपयोग कर योजना की जानकारी, रोजगार संबंधी जानकारी, आयुष स्वास्थ्य, मिशन शक्ति के अंतर्गत योजनाओं की विस्तृत जानकारी आदि शामिल हैं। इस ग्रामसभा में मौजूद गांववालों ने अपनी समस्याएं भी बताईं। जिसमें मछुआरों को स्कीम का फायदा, ड्रेजिंग, आयुष्मान कार्ड, सड़क की मरम्मत, श्मशान में लकड़ी वगैरह पर बात हुई। हॉस्पिटल को बुचरवाडा में स्थानांतरण किये जाने से लोगों को हो रही दिक्कतों वगैरह पर भी बात हुई। ग्राम पंचायत ने पास होने वाले प्रस्ताव पर ध्यान दिया और भरोसा दिलाया कि इन सभी समस्याओं का जल्द ही हल निकाला जाएगा। इस मौके पर महारानी लक्ष्मीबाई ग्राम पंचायत के सरपंच नरसिंहभाई, मामलतदार धर्मेश दमणिया, जिला पंचायत अध्यक्ष रंजीता कोटिया, उपप्रमुख नानजी सोलंकी, उपसरपंच, महारानी लक्ष्मीबाई ग्राम पंचायत के सदस्यों, जिला पंचायत सदस्य सहित मौजूद रहे। इस ग्रामसभा के दौरान आयुष कैंप भी लगाया गया, जिसमें गांववालों ने अपनी हेल्थ की जांच करवाई।

(पेज 1 का शेष समाचार)

दमण-दीव सांसद उमेश पटेल ने शांति विधेयक पर संसद में रखे विचार...

सांसद उमेश पटेल ने कई ठोस सुझाव दिए। जिसमें AERB को पूरी तरह स्वतंत्र रखें, बजट दोगुना करें और विशेषज्ञ नियुक्त करें ताकि निजी परियोजनाओं की प्रभावी निगरानी हो। सुरक्षा प्रावधान मजबूत करें–नियमित ऑडिट, जन सुनवाई, पर्यावरण प्रभाव मूल्यांकन (EIA) अनिवार्य करें और स्मॉल मॉड्यूलर रिएक्टर (SMR) के लिए विशेष दिशानिर्देश बनाएं। 49% विदेशी हिस्सेदारी सीमा बनाए रखें, पारदर्शी निविदा प्रक्रिया लागू करें, भ्रष्टाचार रोकें और निजी फर्मों को न्यूक्लियर फ्यूल व रिएक्टर संचालन से दूर रखें। अंत में सांसद उमेश पटेल ने सरकार से आग्रह किया कि सभी विवरण सदन के समक्ष रखे जाएं। चर्चा से चिंताओं का समाधान हो और सुरक्षा से कभी समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि सही क्रियान्वयन से यह विधेयक भारत को ऊर्जा स्वतंत्र बना सकता है, लेकिन परमाणु कार्यक्रम की विरासत को जिम्मेदारी से आगे बढ़ाना जरूरी है।

अज्ञात मृतक व्यक्ति की पहचान के लिए पुलिस ने की अपील

असली आजादी न्यूज नेटवर्क, सिलवासा। 17 दिसंबर। अज्ञात मृतक व्यक्ति की पहचान के लिए पुलिस ने लोगों से अपील की है। पुलिस द्वारा जारी प्रेसनोट में बताया गया है कि 1 नवंबर 2025 को महाराष्ट्र रुरल अस्पताल मनोर से 108 एंबुलेंस में लगभग 22:27 बजे सिलवासा के नमो अस्पताल में एक व्यक्ति को इलाज के लिए भर्ती कराया गया था। जिसकी इलाज के दौरान 16 नवंबर को मौत हो गई। मृतक व्यक्ति की पहचान नहीं हो सकी है। पुलिस ने लोगों से अज्ञात मृतक व्यक्ति की पहचान करने के लिए अपील की है। यदि किसी को कोई जानकारी मिले तो सिलवासा कंट्रोल रुम नं. 0260-2642130, सिलवासा पुलिस स्टेशन नं. 0260-2642033 और हेड कांस्टेबल राजेश हलपति के मोबाइल नं. 7203000025 पर संपर्क करें।

स्वामीः मारुतिनंदन पब्लिक, संपादक, प्रकाशक व मुद्रक विजय जगदीशचंद्र भट्ट द्वारा गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल, नानी दमण - 396210 से प्रकाशित तथा असली आजादी प्रेस गाला नं. 7, तिरुपति इंडस्ट्रीयल एस्टेट, सोमनाथ मंदिर रोड, दाभेल नानी दमण - 396210 से मुद्रित।
(समाचारों के चयन के लिए संपूर्ण जिम्मेदारी पीआरबी एक्ट के अंतर्गत संपादक की होगी। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र दमण न्यायालय के अधीन होगा।)